

परसात न देश में वषा की कमी पूरी कर दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अब तक कुल बारिश के आंकड़े साझा किए हैं। इसमें बताया गया है कि मानसून के आने के बाद से अब तक 243.2 ममी बारिश हुई है। यह आमतौर पर होने वाली बारिश 239.1 ममी से 2 प्रतिशत अधिक है। हालाँकि मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि देश के अलग-अलग इलाक़ा हिसाब में होने वाली बारिश के आंकड़ों में काफी भिन्नता है।

से चटकर 23 प्रतिशत रह गई है। बता दें कि मध्य भारतीय क्षेत्र में ज्यादातर किसान खेती के लिए मानसूनी बारिश पर निर्भर रहते हैं।

आईएमडी ने की थी सामान्य बारिश की भविष्यवाणी

बता दें कि इससे पहले, आईएमडी ने जुलाई में सामान्य बारिश की भविष्यवाणी की थी। विभाग ने जुलाई में 94 से 106 प्रतिशत तक बारिश का पवर्मानन जताया था।

0 0 0 0

100%

सायबान विभागासाठी

भारत का वैद्यक

नई दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष आसामासालती का सफल परीक्षण



अहमदाबाद। गुजरात में राज्यासभा

सा मा मायीं ले मा है। मायी



विष्णुः। विष्णुः सर्वेषां में विष्णुः

निर्माण तेज गति से रातों दिन किया अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की नई

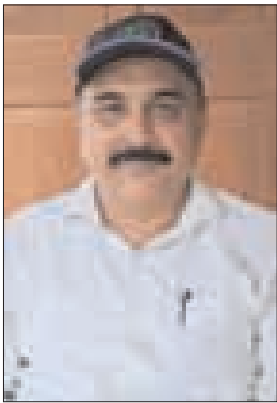
कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का दूसरा दिन, निदेशक अटारी डॉ अंजनी कुमार ने कहा

छोटे एवं सीमांत किसानों के उपयुक्त कृषि तकनीकी हस्तांतरण की आवश्यकता

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड एवं बिहार राज्य के 68 जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) का वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन आईसीएआर - एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन रिसर्च इंस्टिट्यूट (अटारी), पटना के निदेशक डॉ अंजनी कुमार ने संबोधित किया. मौके पर उन्होंने आर्यां परियोजना के अधीन छोटे एवं सीमांत किसानों के उपयुक्त कृषि तकनीकी हंस्तांतरण को विशेष ध्यान देने पर जोर दिया. उन्होंने केवीके द्वारा स्थानीय उपयुक्त चिह्नित कुल 150 एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) मॉडल, द्वितीयक कृषि अधीन लाभकारी कृषि तकनीकी एवं किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को प्राथमिकता एवं बढ़ावा देने को कहा.

डॉ कुमार ने कहा कि किसानों की सबसे बड़ी समस्या फसल अवशेष (पराली) का प्रबंधन है. उन्होंने केवीके, रोहतास एवं राज्य सरकार के प्रयासों से किसानों को पराली जलाने से रोकने में सफलता का जिक्र किया. कहा कि कोम्पेड



कंपनी द्वारा पराली गड्ढ की खरीदने से किसानों को 7-8 हजार प्रति एकड़ अतिरिक्त लाभ मिलने लगा है. केवीके, आरके मिशन रांची ने नामकुम क्षेत्र में 20-25 वर्षों से खोयी हुई चावल की सुगन्धित किस्म भूटकी को चिन्हित किया है. इस स्थानीय सुगन्धित किस्म का पीपीभीआरभी के अधीन पंजीयन कराया गया है. इससे भूटकी किस्म की खेती से जुड़े 11 सौ किसान लाभान्वित हो रहे हैं. टीएसपी (दलहन एवं तेलहन) कार्यक्रम में 25 महिला के समूह को मिल मशीन मुहैया कराने से धान की परती भूमि में दलहन एवं तेलहन की खेती विस्तार में बड़ी सफलता



मिल रही है. अटारी निदेशक ने कहा कि केवीके द्वारा संचालित कृषि उपकरण से सर्वाधिक कस्टम हायरिंग की स्थापना एक बड़ी पहल एवं उत्तम प्रयास है. इस पहल से अधिकाधिक किसानों को जोड़ा जाय, ताकि केंद्र में सुलभ कृषि यंत्रो के उपयोग कम लागत एवं कम श्रम से कृषि कार्य कर किसान को बेहतर लाभ मिल सके. उन्होंने सभी केवीके को क्षेत्र विशेष आधारित 20-25 वर्षों से खोयी मिल्लेट्स फसल की खेती को बढ़ावा देने, 10 मिल्लेट्स फसल में से क्षेत्र विशेष की मिलेट को पुनर्स्थापित एवं प्रोत्साहित करने को कहा. कार्यशाला के विशेष

व्याख्यान में इफको, रांची के वरीय प्रबंधक डॉ आरके वर्मा ने ह्दैनैनो उर्वरक की उपयोगिताह्म पर विस्तृत प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरक के उपयोग से किसानों द्वारा उर्वरकों के अंधाधुंध व्यवहार को कम किया जा सकता है. इससे किसानों के उर्वरक लागत में कमी होगी तथा भूमि प्रदुषण को रोका जा सकेगा. शनिवार को कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता निदेशक, आईसीएआर - आरसीओआर, रांची डॉ अनूप दास ने की. इस सत्र में एनजीओ द्वारा संचालित केवीके - रामगढ, खूंटी, कोडरमा, देवघर, गुमला, रांची,

गोड्डा, बक्सर, कैमूर, नवादा, सीतामढ़ी के प्रधान सह वरीय वैज्ञानिकों ने वर्ष 2022-23 का वार्षिक प्रगति प्रदर्शन प्रतिवेदन तथा वर्ष 2023-24 की कार्ययोजना को प्रस्तुत किया. मौके पर डॉ अनूप दास ने कृषि प्रसार गतिविधियों में प्राकृतिक खेती, मोटे अनाजों की उन्नत खेती पर अधिकाधिक प्रत्यक्षण एवं प्रशिक्षण का आयोजन तथा प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने की बात कही. दुसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ आरके सिंह ने की. इस सत्र में बिहार के 44 कृषि विज्ञान केन्द्रों के

प्रधान सह वरीय वैज्ञानिकों ने वर्ष 2022-23 का वार्षिक प्रगति प्रदर्शन प्रतिवेदन तथा वर्ष 2023-24 की कार्ययोजना को प्रस्तुत किया. इस दौरान सभी कृषि प्रसार गतिविधियों पर विस्तृत से चर्चा हुई. मौके पर डॉ आरके सिंह ने गतिविधियों के डाटा संग्रहण को प्राथमिकता देने, जलवायु अनुकूल कृषि उत्थान कार्यों की सफलता कहानी तैयार करने पर जोर दिया. उन्होंने केवीके द्वारा विकसित एवं चिन्हित तकनीकी को आत्मा तथा कृषि एवं सबद्ध विभागों के माध्यम से बढ़ावा देने एवं प्रसार गतिविधियों का समुचित डॉक्यूमेंटेशन करने की बात कही. कार्यशाला का संचालन अटारी, पटना के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अमरेंद्र कुमार ने की. धन्यवाद केवीके, रांची के वैज्ञानिक डॉ अंजित कुमार ने किया. रांची के मोराबादी स्थित रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट में आयोजित इस कार्यशाला में आरके मिशन सचिव स्वामी भगवेशानंद, बीएयू निदेशक प्रसार डॉ जगननाथ उरांव सहित बिहार एवं झारखंड के 68 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक भी मौजूद थे।

बेड़ो प्रखंड के हजारों घरों में लगे सदानी झंडा



बेड़ो: मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय समिति की ओर से सदानों की अधिकार को लेकर लगातार महापंचायत, सम्मेलन और सेमीनार आयोजित पुरे झारखंड में किया जा रहा है। अधिकार आस्था और पहचान को लेकर सदानी झण्डा लघाओ अभियान का भव्य आयोजन रविवार को बेड़ो के महादानी मैदान में किया गया। सदानी झण्डा को अपने घरों में लगाने को लेकर मूलवासी सदान काफी उत्साहित दिखे। इस मौके पर मुख्य अतिथि मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने राजनेताओं को आड़े हाथ लेते हुए कड़ा प्रहार किया कहा कि राज्य में बनने वाली सरकारों ने मूलवासी सदानों की अधिकार को छीनने का काम किया और अब हमारी पहचान को मिटाने की साजिश हो रही है। प्रसाद ने कहा राजनेताओं को सदान शब्द कहने से इन्हें शर्म आती है। प्रसाद ने कहा कि सदान झारखण्ड की सबसे पुराने वशिदि है। इस बात की पुष्टि इतिहासकारों और लेखकों ने भी की है। उन्होंने कहा राजनीतिक दल लोकसभा और विधानसभा में भी बाहरी उन्मीदवार को प्रत्याशी बनाकर सदनों के अधिकार को छीनने का काम कर रही हैं जिसे अब बदरंशत नहीं किया जाएगा। प्रसाद ने कहा कि सदान अपने अधिकार को समझें यदि कोई राजनीतिक दल

बाहरी प्रत्याशी देता है तो उसे हरफा हर मूलवासी सदनों का कर्तव्य बताया। उन्होंने कहा कि राजनेता मूलवासी तो कहते हैं लेकिन मूलवासी सदान कहने में उन्हें कष्ट होता है। उन्होंने कहा कि सदानी झंडा हमारी पहचान और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने इस झंडे को हर घर और प्रतिष्ठानों में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में बनने वाली सरकारों का 1 सूत्री कार्यक्रम होता है कि मूलवासी सदानों को उनके अधिकारों से कैसे वंचित किया जाए। प्रसाद ने कहा लेकिन अब ऐसा नहीं होगा यह सदानी झंडा चेतना का संचार करेगा। प्रसाद ने कहा कि सदानों के बिना झारखंड का अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने कहा कि सदानों की बलिदान से राज्य मिला है। उन्होंने मूलवासी सदान आयोग का गठन करने, पिछड़ी जातियों का जाति जनगणना कराने व सदान से आने वाले स्वर्णों की भी सर्वेक्षण कराने की मांग सरकार से की। उन्होंने झारखण्ड की विधानसभा की सीटों को 160 व लोकसभा की सीटों को 28 करने की मांग केन्द्र सरकार से की, जिससे सदानों को भी विधानसभा और लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल सके। झारखंड में मूलवासी सदान और आदिवासी एक सिक्के के दो पहलू हैं जिसमें बड़े भाई मूलवासी सदान जिनकी आबादी 65% है।

महादानी मंदिर में श्रृंगार पूजा महोत्सव है आकर्षण का केंद्र

नव प्रदेश संवाददाता

बेड़ो : बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मंदिर में श्रावण मास में प्रत्येक दिन होने वाले बाबा भोलेनाथ महादानी का भव्य श्रृंगार हजारों लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सावन के महीने में प्रत्येक दिन शाम से रात तक श्रद्धालु पूजा अर्चना का शुभारंभ सत्यनारायण व्रत कथा से करते हैं। इसके बाद विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों से बाबा भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया जाता है। बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मंदिर में पिछले 22 वर्षों से बेड़ो के श्रमाजसेवी विजय टंडन के नेतृत्व में श्रृंगार पूजा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2001 में भगवान भोलेनाथ महादानी का श्रृंगार पूजा आरंभ किया गया। वर्ष 2001 में महादानी सेवा सत्संग समिति और बेड़ो गांव के निवासियों में विजय टंडन,



राजेंद्र तिवारी, बाणी कुमार राय, प्रदीप राय व हरि सोनी तथा अशोक पंडा के संयुक्त प्रयासों से सामूहिक रूप से पहली बार बेड़ो महादानी बाबा का श्रावण मास में श्रृंगार पूजा किया गया। वर्ष 2001 से लेकर 2005 तक लगातार 3 से 4 वर्षों तक दो रूपए सभी ग्रामवासियों से चंदा कर श्रावण मास के प्रत्येक दिन भगवान भोलेनाथ महादानी का श्रृंगार पूजा किया जाता

था। भगवान भोलेनाथ महादानी बाबा का श्रृंगार पूजा मात्र पांच से सात सौ रूपए के बीच बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार पूजा आरंभ किया गया था। इस दौरान बाबा भोलेनाथ के श्रृंगार पूजा अर्चना करने वालों में मुरारी सेंन गुप्ता ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से महादानी मंदिर में भगवान भोलेनाथ का श्रृंगार पूजा करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भगवान भोलेनाथ का श्रृंगार पूजा करने

विद्यार्थी परिषद युवाओं को एक सकारात्मक दिशा प्रदान कर रहा है : सन्नी

बेड़ो: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय बेड़ो में रविवार को अभाविप इकाई के परिषद का 75 वां स्थापना दिवस अमृत महोत्सव के रूप में मनाया साथ ही ग्रामीण प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड से झारखंड बोर्ड व इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र छात्राओं को प्रतीक चिन्ह,मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सभाविप अतिथियों ने मा सरस्वती व स्वामी स्वामी विवेकानंद के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि अभाविप 75 वर्षों से देश,समाज व छात्र हित के लिए सदैव तत्परता से कार्य करने वाला संगठन है। अभाविप की अपनी पहचान है। यह ज्ञान शील एकता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अभाविप ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाओं को सम्मानित कर उन्हें



अपने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में और भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित कर रहे है। प्रतिभा सम्मान के माध्यम से अभाविप समस्त प्रतिभाओं को सम्मानित कर उन्हें अपने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इनमें धनबाद के लिए एडवैट तत्परता से कार्य करने वाला संगठन है। अभाविप की अपनी पहचान है। यह ज्ञान शील एकता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अभाविप ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाओं को सम्मानित कर उन्हें

समारोह कार्यक्रम का आयोजन प्रशंसनीय है। उन्होंने अभाविप के सभी कार्यकर्ताओं को संगठन के स्थापना दिवस का शुभकामनाएं दी। इस दौरान बेड़ो इकाई नया गठन किया। कार्यक्रम को डा राजेंद्र तिवारी नगर अध्यक्ष संदीप राज ने स्वागत भाषण देते हुए अभाविप के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। संचालन विक्रम कुमार व धन्यवाद ज्ञापन रोहन कुमार ने किया। मौके पर मुखिया सुशांति भगत, आलोक मिश्रा, रमेश प्रसाद गुप्ता,मनोहर कुमार,शिवेंद्र सौरभ,आकाश रक्षित सोनम कुमारी मौजूद थे।

न्यू ई-रिक्शा चालक समिति के अध्यक्ष बने रवि मिश्रा

खूंटी: जिले के ई रिक्शा चालकों की रविवार को स्थानीय कुंजला बाजार में हुई बैठक में ई-रिक्शा चालक समिति का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से रवि मि्रा को समित का अध्यक्ष चुना गया। समिति में उपाध्यक्ष वीरा मुंडा, सचिव विकास कुमार महतो, उपसचिव मनोज महतो कोषाध्यक्ष रोहित कश्यप और संरक्षक विजय मिश्रा को बनाया गया। बैठक में अभाविप के कमलेश महतो ने बताया कि ई-रिक्सा चालकों को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर जल्द ही जिला प्रशासन और नगर पंचायत के अधिकारियों से मिलकर ई-रिक्शा चालों की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा और उनके निराकरण की मांग की जाएगी।

एक नजर

झारखंड तैलिक समाज के अध्यक्ष को कोलकाता में किया गया सम्मानित

रातू : झारखंड तैलिक समाज के प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो को रविवार को पश्चिम बंगाल तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष रूपलाल प्रसाद साहू द्वारा पश्चिम बंगाल कोलकाता स्थित धन धना ऑडिटोरियम में सम्मानित किया गया। महेश महतो पश्चिम बंगाल तैलिक साहू सभा के 45 वे स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। झारखंड प्रदेश तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अपने समाज को आगे लाने के लिए पहल करे हम आज भी पिछड़े है हमारे समाज को प्रगतिशील बनने के लिए युवाओं को आगे आना ही होगा इसके अलावा दिल्ली मे साहू धर्मशाला का निर्माण हो ताकि समाज के पढ़ाई या परीक्षा देने के लिए गए हुए समाज के बच्चों को महानगर दिल्ली में रुकने की समस्या ना हो। इससे पूर्व पश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष रूपलाल प्रसाद साहू ने झारखंड प्रदेश तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो को बुके,साल व मोमेंटो देकर समानित किया मौके पर प्रधान महासचिव मदन कुमार ,युवा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप साहू,राज किशोर साहू,जयदत्त क्षीरसागर,रामलाल गुप्ता, डॉक्टर अरुण सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खड़ी कार पर पलटी गैस सिलेंडर लदा पिकअप



रातू। थाना क्षेत्र के एनएच 75 पर रविवार शाम 4:15 बजे के करीब एक तेज रफ्तार पिकअप के चालक ने वाहन से नियंत्रण खोते हुए सड़क किनारे खड़ी मारुति एस प्रेसो कार के उपर पलट गई जिससे मारुति कार पुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई इस दुर्घटना में कार चालक मनीष कुमार सिंह भी जखमी हुआ जिसे स्थानीय लोगो ने हॉस्पिटल भेज दिया घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक पिकअप बीआर 06 जीई 1028 जिसमें कॉमिश्नियल गैस सिलेंडर भरा था काफी तेज गति से आ रहा था।इसी बीच पिकअप चालक का नियंत्रण हट गया और फर्नीचर जॉन दुकान के सामने खड़ी गौरव आनंद पिता ललन सिंह की मारुति एसप्रेसो कार जेएच 01 ईसी 4042 पर पलट गया।तेज रफ्तार पिकअप में लदा सभी सिलेंडर कार के उपर गिर गया जिससे कार पुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पिकअप के पलटते ही उस पर लोड सिलेंडर सड़क पर बिखर गए इसके अलावे कार के आगे खड़ी एक अन्य वाहन छोटा हाथी जेएच 01एजे 1098 पिकअप के धक्के से लगभग 100 फीट सड़क पर दूर चला गया।गंनीमत थी कि उस वाहन के चपेट में कोई नही आया अन्यथा जानमाल का नुकसान हो सकता था। महिन्द्रा वाहन छोटा हाथी भी क्षतिग्रस्त हुई है। घटना के बाद रातू पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई।समाचार लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज की सुचना नही है।दोनों वाहन घटनास्थल पर ही पड़ा हुआ है।

सांसद ने सरना घेराबंदी निर्माण का किया शिलान्यास

बेड़ो : बेड़ो प्रखंड के मुरतो व चान्ही में लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के सांसद सह पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री सुदर्शन भगत ने रविवार को कल्याण विभाग से सौजन्य से सरना स्थल घेराबंदी निर्माण कार्य का गांव के पहान द्वारा विधिवत पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़ कर व फीता काटकर आधारशिला रखा। इस मौके पर सांसद सुदर्शन भगत ने कहा की अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा कल्याण विभाग के द्वारा सरनास्थल घेराबंदी कार्य लगभग बीस लाख ब्यालीस हजार एक सौ राशि व चान्ही गांव में तेरह लाख तैतीस हजार दो सौ की लागत आएगी। मौके पर उन्होंने कहा कि मुरतो वे चान्ही गांव के लोगों की काफी पुरानी मांग थी। जिसे आज कल्याण विभाग द्वारा स्वीकृति मिली है। हमें विश्वास है कि यह योजना अपने तय सीमा पर गुणवत्तापूर्ण पूर्ण योजना पुरी कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरना स्थल आदिवासी समाज की अस्तित्व की पहचान है। इसलिए हमें अपने सरना स्थलों को बचा कर अपनी परंपरा रीति-रिवाज संस्कृति को बरकरार रखना है। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि राकेश भगत ने कहा सरना धर्म में सरना स्थल आदिवासियों की पूजा पद्धति व परम्परा विद्यमान है। इस परंपरा और संस्कृति को बचा कर रखना है। जिस दिन हम अपनी सरना धर्म और संस्कृति को छोड़ देंगे हमारा पहचान और समाज का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। मौके पर पहान, पुंजार मुरतो सरना स्थल कार्य समिति अध्यक्ष सुभाष तिग्गा, सचिव चंदो देवी, सुकरा तिग्गा, जखजौत तिक्की, सहबीर उरांव, बिजुआ तिग्गा, प्रकाश, राजू उरांव, डावडु उरांव, उरवा महतो, पावती उरांव, संगीता उरांव, सातो उरांव वही चान्ही के सरना स्थल पर कार्यसमिति अध्यक्ष हरि उरांव, सचिव दिनेश्वर उरांव, देवनाथ उरांव, सुरेश उरांव, देवनारायण उरांव, अजय उरांव, अकलू उरांव, बलदेव उरांव, उप मुखिया प्रतिनिधि दुराज खान मौजूद थे।

19वीं झारखंड राज्य जूनियर बुशु प्रतियोगिता प्रारंभ



नव प्रदेश संवाददाता

रांची/धनबाद : 19वीं झारखंड राज्य जूनियर बुशु प्रतियोगिता आज यहाँ धनबाद के डिगवाडीह स्थित टाटा कम्युनिटी सेंटर में प्रारंभ हो गयी।दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों के तकरीबन 300 खिलाड़ी और अधिकारी भाग ले रहे है।

इस प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन कर्नल भवानी सिंह - हेड एडमिनिस्ट्रेशन टाटा स्टील डिगवाडीह के द्वारा किया गया ।उन्होंने कहा कि टाटा स्टील खेलो के लिए एमटाशा प्रयासरत है।प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के इस अवसर पर श्री पीयूष कुमार - सीनियर मैनेजर एच आर,श्रीमती स्वेता - मैनेजर एच आर सभी टाटा स्टील सहित नकुल सिंह,उचित महतो और झारखंड बुशु एसोसिएशन के महासचिव शैलेन्द्र दुबे,कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, रजि अहमद ,दीपक गोप ,शिवेंद्र दुबे,गोकुलानंद मिश्र, धनबाद जिला बुशु एसोसिएशन के दिनेश यादव ,अजय कुमार सिंह, राहुल आनंद,मोन्ू कुमार,पालाबिन्द

सिंह आदि उपस्थित थे। इस दौरान खिलाड़ियों ने सानसाउ एवम ताऊल् के प्रदर्शन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। आज सम्पन्न हुए इसके ताऊल् वर्ग के प्रतिस्पर्धा के परिणाम निम्नवत रहे:-

स्वर्ण पदक विजेता

विक्रम कुमार गंझू- चतरा
इवा कुमारी- चतरा
एल प्लेटोदिप सिंह- राँची
प्रिया गाड़ी-राँची
प्रिंस महतो-राँची

सुमी कुमारी- चतरा
शिवम कुमार- चतरा
रोशनी कुमारी- चतरा
अनित मुंडा- राँची
कोमल हर्षिता वर्मा- राँची

रजत पदक विजेता

भैया अकश्ट सिन्हा- राँची
तनु कुमारी- चतरा
शिव कांता- राँची
कोमोला कुमारी- साहिबगंज
सुभाष उरांव-राँची

कांस्य पदक विजेता

प्राणित महतो-ईस्ट सिंहभूम
नाजिया इमाम - ईस्ट सिंहभूम

अपराध

वर्ष 2023 में अब तक की तुलना में झारखंड में कम हुई साइबर अपराध की घटनाएं

2019 से अब तक 5103 साइबर अपराध

रांची (हि. स.)। झारखंड में वर्ष 2019 से वर्ष 2023 में अब तक 5103 साइबर क्राइम की वारदातें हुई हैं। वर्ष 2023 में अब तक सबसे अधिक 102 साइबर क्राइम की वारदात राजधानी रांची में हुई है। हालातत, आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में अब तक की तुलना में साइबर अपराध की घटनाएं कम हुई है।

पुलिस मुख्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 में साइबर अपराधियों ने 1343 वारदातों की अंजाम दिया है। इनमें धनबाद में 143, गिरिडीह में 41, हजारीबाग में 79, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 78, पलामू में 49, रांची में 478, साहिबगंज में 23, दुमका में 13, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में 20, बोकारो में 42, लातेहार में



22, जामताड़ा में 68, सरायकेला में 43, सिमडेगा में नौ, रेल जमशेदपुर में एक, देवघर में 71, गोड्डा में 29,गुमला में 10, लोहरदगा में 10, चतरा में 32, गढ़वा में 20,कोडरमा में चार,खूंटी में 15, रामगढ़ में 30 और पाकुड़ में 13 शामिल है। वर्ष 2019 में साइबर क्राइम की सबसे अधिक 478 घटनाएं राजधानी

रांची में हुई है। इसी प्रकार वर्ष 2020 में 1242 साइबर क्राइम की वारदात हुई है। इनमें धनबाद में 77, गिरिडीह में 61, हजारीबाग में 93, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 64, पलामू में 44, रांची में 286, साहिबगंज में 18, दुमका में 36, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में

28, बोकारो में 38 ,लातेहार में 38, जामताड़ा में 74,सरायकेला में 47, सिमडेगा में छह, देवघर में 94, गोड्डा में 27,गुमला में 27,लोहरदगा में 16,चतरा में 28,गढ़वा में 23,कोडरमा में आठ, खूंटी में 12, रामगढ़ में 67 और पाकुड़ में 30 शामिल है। वर्ष 2020 में सबसे अधिक राजधानी रांची में 286 साइबर क्राइम की घटनाएं हुई हैं। इनमें धनबाद में 54, गिरिडीह में 51 घटनाएं हुई है। इनमें धनबाद में 74, गिरिडीह में 35, हजारीबाग में 93, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 70, पलामू 33, रांची में 211, साहिबगंज में 20, दुमका में 33, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा)में 16, बोकारो में 29, लातेहार में 39 ,जामताड़ा में 76 , सरायकेला में 32, सिमडेगा में चार, रेल धनबाद

एक, देवघर में 118, गोड्डा में 19 , गुमला में 23, लोहरदगा में चार, चतरा में 17 , गढ़वा में 17, कोडरमा में 25, खूंटी में सात, रामगढ़ में 41 और पाकुड़ में 14 शामिल है। वर्ष 2021 में सबसे अधिक राजधानी रांची में 211 साइबर क्राइम की वारदात हुई है। इसी प्रकार 2022 में पूरे राज्य में 1030 साइबर क्राइम की वारदात हुई है। इनमें धनबाद में 54, गिरिडीह में 54 ,हजारीबाग में 47, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 114, पलामू में 32 रांची में 255 ,साहिबगंज में 20, दुमका में 24, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में 17, बोकारो में 24, लातेहार में 33, जामताड़ा में 78, सरायकेला में 16, सिमडेगा में 16 , देवघर में 94, गोड्डा में 25, गुमला में 16, लोहरदगा में 10, चतरा में 15,

गढ़वा में 17, कोडरमा में 28, खूंटी में 10, रामगढ़ में 19 और पाकुड़ में 12 शामिल है। वर्ष 2022 में राजधानी रांची में सबसे अधिक 255 साइबरक्राइम की वारदात हुई है। वर्ष 2023 में अब तक साइबर क्राइम की 437 घटनाएं घटी हैं। इनमें धनबाद में 43, गिरिडीह 23, हजारीबाग 18, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)से 50, पलामू में 10, रांची में 102, साहिबगंज से छह, दुमका में 11, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में छह, बोकारो में सात, लातेहार में 23, जामताड़ा में 24, सरायकेला में 13, सिमडेगा में छह, रेल जमशेदपुर एक, देवघर में 12,गोड्डा में नौ , गुमला में 11, लोहरदगा में चार, चतरा में नौ, गढ़वा में 11, कोडरमा में छह, खूंटी में दो , जामताड़ा में 17 और पाकुड़ में 13 शामिल है।



बिहार में विकास का मॉडल देश के लिए बना अनुकरणीय: श्रवण कुमार

नवप्रदेश प्रतिनिधि बिहारशरीफ।

वेन प्रखंड के मांडी गांव में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार संसद कौशलेंद्र कुमार के द्वारा किया गया।।मुख्य सड़क से लेकर अनुज राम को घर तक मिटटी भराई एवं ईंट सोलिंग कार्य 2.ग्राम मांडी के महेन्द्र मांडी के घर से हरी प्रसाद तक ईंट सोलिंग एवं मिटटी भराई कार्य 3.ग्राम मांडी इलनग मांडी के घर से उर्षेद ठाकुर के घर तक ईंट सोलिंग एवं मिटटी भराई कार्य 4.मांडी में चंद्रदेव यादव के घर से बिटु महतो के घर तक



मिटटी भराई एवं ईंट सोलिंग कार्य का उद्घाटन। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सूे में

विकास की गंगा बह रही है।न्याय के साथ विकास और सुशासन का मॉडल का अनुशरण कई प्रदेश की

सरकारें कर रही है।हमारी सरकार गांवों को स्मार्ट बनाने का काम कर रही है। गांव के विकास का सपना जो राष्ट्र पिता महात्मा गांधी बाबा साहब डा अंबेडकर सरदार वल्लभभाई पटेल,राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण,कपूर्ी ठाकुर ने देखा था उसे बिहार की धरती पर उतारने का काम देश के लोकप्रिय एवं जनप्रिय नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है।समाज के शोषित वर्गितो पिछड़ों को विकास की मुख्य धारा में जोड़ा जा चुका है। हमारी सरकार बोलने में कम और काम करने में ज्यादा

विश्वास करती है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जो काम बिहार में हुआ वो अद्वितीय है।हर वर्गों का हर क्षेत्रों का समुचित विकास हो रहा है। केंद्र सिर्फ जुम्लेवाजी कर अफवाह फैलाकर समाज को तोड़ने एवं ठगने का काम कर रही हैं देश के किसान बेहाल है उद्योगपति मालामाल है युवा बेरोजगार हैं महंगाई से जनमानस का बुरा हाल है।बिहार में हुए कार्यों का जोड़ा देश का कोई राज्य में नहीं लगा सकता है।हर घर बिजली हर घर पानी हर घर पक्की नली गली हर घर शौचालय पर

कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अरविंद पटेल मुख्य प्रवक्ता डा धनंजय कु देव जीतू मांडी मुखिया कारू तांती विजय मुखिया मो कलीम शम्भू पासवान मधुसुदन मांडी सोनू शर्मा प्रमोद यादव अखिलेश प्र बिहारी प्र चंद्रदीप प्र देवनंदन प्रसाद दिनेश प्रसाद लखन राम सुनील कुमार सुनील मांडी भागवत साव बिहारी प्र जितेंद्र चंद्रवंशी मुन्नी प्र अरविंद पासवान शैलेंद्र कुमार अशोक कुमार संजय कुमार रामप्रवेश प्रसाद बब्बू अमरिस कुमार मिन्टु प्रसाद नागमनी प्र आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा हटाओ, देश बचाओ अभियान के तहत भाकपा माले लिबरेशन ने की बैठक

नवप्रदेश प्रतिनिधि नासरीगंज (रोहतास)। प्रखण्ड के घूस स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा हटाओ, देश बचाओ अभियान के तहत भाकपा माले लिबरेशन के प्रखंड के सभी शाखा सचिवों की एक बैठक रविवार को आयोजित हुई।इसकी अध्यक्षता जिला सचिव नंदकिशोर पासवान ने की। बैठक की शुरुआत बालासोर रेल दुर्घटना में मारे गये लोगों और हाल के दिनों में दिवंगत हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देकर की गई। इस दौरान आगामी ग्राह जुलाई को अनुमंडल कार्यालय बिक्रमगंज पर विशाल विशेष प्रदर्शन करने का निर्णय एवं इसकी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा ब्रांच सचिवों को टागेट दिया गया कि जल्द से जल्द हर बूथ पर एक ब्रांच सचिव और दस नये पार्टी सदस्य बनाए जाएं। इसी के साथ पार्टी की पत्रिका लोकयुद्ध का एक सदस्य भी बनाया जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि हर गांव में अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला सभा, इंकलाबी नौजवान सभा, आइसा और अखिल भारतीय किसान महासभा के ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाए जाएँ। प्रखंड सचिव कैसर निहाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब से भाजपा की मोदी सरकार केंद्र में आई, देश की हालत बद से बदतर होती चली ग ई। सरकार ने



किसानों, मजदूरों व छात्र-युवाओं को सिर्फ ठगने का काम कर रही है। बेरोजगारी चरम पर है और पीएम सिर्फ विदेशों का दौरा करने में व्यस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान और लोकतंत्र पर लगातार हमले कर रही है। और गरीबों, दलितों का आरक्षण खतरे में है। अन्य वक्ताओं में सुदामा सिंह, कामेश्वर सिंह, शिवधारी राम, रिकु राम, अशरफ हुसैन, प्रयाग राम, रामपुकार राम, रितेश भगत, श्रीभगवान सिंह, शिवभद्र राम, कामेश्वर पासवान, सुरेश विश्वकर्मा, ऐनुल अंसारी, सियाराम प्रसाद, धर्मेद बैठा, नंदकुमार सिंह, लालबाबू सिंह और शशि मुना सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

जांच शिविर में पहुंचे लोगो ने विभिन्न प्रकार के कराए अपनी जांच

नवप्रदेश प्रतिनिधि पश्चिमी चंपारण। जिला अंतर्गत के आईटीआई जयप्रकाश नगर स्थित बाल्मीकि प्रेस ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय में रविवार को दिन जहां एक तरफ आम मरीज को कई जगहों पर जांच खर्च को लेकर कई प्रकार के जांच कराने में विभिन्न समस्या उत्पानी पड़ती है।फिर भी सही निर्णय योग्य रिपोर्ट प्राप्त नहीं होती।ऐसे में आम जनता सरसे दरों पर विभिन्न प्रकार की रोगों की जांच के लिए बाल्मीकि प्रेस ट्रस्ट के तत्वाधान में भारत के प्रसिद्ध पैथोलॉजी डॉ लाल पैथ द्वारा सरसे दर पर जांच शिविर लगाया गया, जिसमें चेक पोस्ट लाल पैथ के संचालक मिथिलेश कुमार सह ट्रस्ट के चिकित्सा प्रकोष्ठ के कुशल नेतृत्व में लाल पैथ की टीम द्वारा शुगर, थायराइड, कैस्ट्रॉल, विटामिन डी, कैल्शियम, आदि की जांच की गई। मौके पर ट्रस्ट के सचिव निरंकार भास्कर ने बताया कि आज के परिवेश में स्वास्थ्य जांच कराना सभी के लिए लाभदायक है, लेकिन पैसे के अभाव में बहुत लोग जांच करा नहीं पाते हैं।ऐसी हालत में ट्रस्ट के सहयोग के लिए डॉ लाल पैथ लैब की टीम ने सरसे दरों पर आगामी समय में जगह जगह यह शिविर लगाकर जहां आम जनता का सहयोग कर रही है, वहीं ट्रस्ट भी कई सामाजिक कार्यों जैसे स्वास्थ्य जांच शिविर, कपड़ा वितरण, आलाव जैसे विधि व्यवस्था में निरंतर अपनी कार्य निभा रही है। उक्त अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राणा प्रताप गुप्ता, शेखर सोनी, अतुल कुमार, राकेश कुमार, सत्यम सिंघानिया, अश्वनी कुमार सिंह, आदर्श श्रीवास्तव, जय किशोर शर्मा, रवि कुमार, नवीन कुमार, विनय कुमार, सहित अन्य सदस्य ललित मोहन झा, सत्येंद्र श्रीवास्तव, सोनू भारद्वाज, अविनाश कुमार की भूमिका सरहनीय योग्य रही, एक तरफ कई दर्जनों लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तो वहीं समाजसेवी पुण्य देव प्रसाद, अशोक कुमार, केशव शुक्ला, वकील महतो, मुन्ना महतो, पन्ना देवी, चंद्रमणि देवी, आदि ने ऐसे हो रहे समाजिक कार्यों को देख बहुत ही प्रशंसा की, और कहा निरंतर इस प्रकार से कम दरों पर जांच की जाए तथा ऐसी संस्था डॉ लाल पैथ जो कि विश्वसनीय है ऐसी संस्था के द्वारा यह कार्य विभिन्न स्थानों पर की जा रही है तो आम नागरिकों को बहुत ही राहत मिलेगी।



कमरज्जमा ने 1 घंटे की मेहनत-मशक्कत के बाद एक 7 महीने के बच्चे के गले में फंसे एक खिलौने को बाहर निकाला है। छोटे बच्चे आम तौर पर खिलौनों से खेलते खेलते उसे अपने मुंह में डाल लेते हैं, दिव्यांश जिसकी उम्र करीब 7 महीने है इस खिलौने से खेल रहा था और खेलते-खेलते यह लाल रंग का खिलौना जिसकी तस्वीर ऊपर दिखाई गई है को अपने मुंह में डाल लिया खिलौना का आकार छोटा होने की वजह से वह उसके गले में अटक गया। बच्चे के रोने से परेशान हो कर जब उसके पिता रामधारी लाल उसे लेकर कमरज्जमा के क्लिनिक पहुंचे तो पता चला की उसके गले में कुछ अटका है। अब डॉक्टर ने काफी मेहनत से उसके गले से वह खिलौना निकाला। जानकारी के लिए बता दें कि बच्चा अभी पुरी तरह खरारे से बाहर है। खिलौना बच्चे के गले से निकाल लिया गया है।

सदस्यों का निर्वाचन खत्म करने से चचाओं का बाजार गर्म

आरा में कहीं चांसलर की शक्तियों को चुनौती तो नही दे दिया वीसी ने

नव प्रदेशआरा भोजपुर। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी के अभिषद,अधिषद एवं वित्त समिति के निर्वाचित सदस्यों को अगले चुनाव प्रक्रिया पूरी किये बगैर निर्वाचन समाप्त करने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है।राजभवन के संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता ने वीर कुंवर सिंह युनिवर्सिटी के कुलपति को पत्र भेजकर चुनाव से जुड़े सभी अभिलेखों को सात दिनों के भीतर राजभवन भेजने का निर्देश दिया है। राजभवन के आदेश के बाद अब कुलपति को अभिषद, अधिषद एवं वित्त समिति के निर्वाचित सदस्यों का निर्वाचन समाप्त करने के विरुद्ध राजभवन में दी गई चुनौती का साक्ष्य समेत

जवाब देना है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अभिषद एवं अधिषद सदस्य देववंश सिंह ने राजभवन को पत्र भेजकर इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।इन्के पत्र पर राजभवन ने संज्ञान लेते हुए विन्दुवार जवाब कुलपति को देने का निर्देश दिया है। निर्वाचन समाप्त करने से प्रभावित सदस्यों का कहना है कि नियमावली के अनुसार अभिषद,अधिषद एवं वित्त समिति के सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने की तिथि को आधार बना कर निर्वाचन समाप्त नहीं किया जा सकता है।सदस्यों के अधिकार भी नहीं छीने जा सकते हैं। सदस्य देववंश सिंह ने विवि अधिनियम का हवाला देते हुए राजभवन को भेजे पत्र में कहा है कि अभिषद के पदेन सदस्यों को छोड़कर अन्य मनोनीत या निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल तीन साल पूरा होने के बावजूद नए निर्वाचन या मनोनयन होने तक

उनके अधिकार बहाल रहते हैं।वे नए निर्वाचन और मनोनयन तक पद पर बने रह सकते हैं।नए सदस्यों के आ जाने के साथ ही उनका अधिकार समाप्त होता है।कार्यकाल समाप्त होने का मतलब यह नहीं की अगले निर्वाचन होने या नए मनोनयन होने के पूर्व उनका निर्वाचन या मनोनयन समाप्त करने हुए सदस्यों का अधिकार छीन लिया जाय। चुनाव की तिथि घोषित हो जाने या चुनाव की प्रत्याशा से सीनेट और सिंडिकेट सदस्यों की सदस्यता प्रभावित नही हो सकती जब तक नए निर्वाचित या मनोनीत सदस्यों की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती। अभिषद, अधिषद और वित्त समिति के इतनी बड़ी संख्या में सदस्यों को हटा देने के बाद किसी भी बैठक का कोरम ही पूरा नही हो सकेगा और बिना कोरम पूरा किये आयोजित होने वाली बैठक विवि अधिनियम के विरुद्ध होगी। सीनेट और सिंडिकेट के सदस्य देववंश



सिंह ने राजभवन को स्मरण दिलाया है कि वीर कुंवर सिंह विवि के कुलपति को यह अधिकार नहीं है कि वह राजभवन,राज्य सरकार द्वारा मनोनीत और निर्वाचित सदस्यों को दिए गए अधिकार को अपने आदेश से समाप्त कर सके। किसी भी विवि का कुलपति विवि

अधिनियम और परिनियम का करस्टोडियन होता है और ऐसी स्थिति में वह इसके विरुद्ध कार्य कैसे कर सकता है। सीनेट की बैठक के अध्यक्ष तो स्वयं राज्यपाल सह कुलाधिपति होते हैं।राज्यपाल सह कुलाधिपति होते अनुपस्थिति में ही कुलपति बैठक

की अध्यक्षता कर सकते हैं। कुलपति के निर्वाचन समाप्त करने संबंधी निर्णय की विवि के राजनैतिक एवं प्रशासनिक गलियारों में खूब चर्चा हो रही है और इन चचाओं के बीच अब राजभवन का वह पत्र भी आ गया है जो कुलपति के लिए मुसीबत खड़ा कर सकता है। चचाओं के बीच चर्चा तो यहां तक जा रहा है कि वीर कुंवर सिंह विवि में कुलपति प्रो.शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने सीनेट,सिंडिकेट सदस्यों का निर्वाचन समाप्त कर राज्यपाल सह कुलाधिपति की शक्तियों पर ही प्रहार कर दिया है। कुलपति द्वारा बड़े पैमाने पर एक साथ कार्यकाल समाप्ति के नाम पर सदस्यों का निर्वाचन समाप्त करना एक तरह से राज्यपाल सह कुलाधिपति की शक्तियों को चुनौती देना भी बताया जा रहा है। अब कुलपति प्रो.चतुर्वेदी को इस संबंध में निर्वाचन से जुड़े अभिलेखों के साथ सात दिनों के भीतर जवाब देना है।

एक नजर

बारिश के अभाव में रोपनी बाधित

नवप्रदेश प्रतिनिधि संझौली। पिछले 29 जून से छः जुलाई तक लगातार हुई, मध्यम, भारी व रिमडिम बारिश ने किसानों के चेहरें पर मुस्कुराहट बिखेर दिया था. किसान यह सोचकर इतराने लगे थे कि धान की रोपनी समय से हो जाएगी. लेकिन ऐसा नहीं होते देख किसान फिर से मायूस होने लगे हैं. किसान सुरेंद्र कुमार सिंह, उदल सिंह, अलख सिंह, सुमन कुमार सहित कई ने बताया कि अषाढ़ माह के अंत व सावन माह के शुरू में हुई, बारिश से किसानों को उम्मीद जगा दी थी की समय पर किसान खेत तैयार कर, धान की रोपनी के साथ ही मक्का व सब्जी की खेती कर लेंगे. लेकिन छः जुलाई सुबह लगभग 11:00 बजे के बाद से जो बारिश बंद हुई है तो बंद ही है. पिछले चार दिनों से बंद हुई बारिश व निकल रही कड़ाके की धूप ने किसानों को सकते में डाल रखा है. किसानों की माने तो नहरों में लगभग पर्याप्त मात्रा में पानी मिल रही है, फिर भी नहर से पूरी तरह धान की रोपनी करना संभव नहीं है. कहते हैं हीट स्ट्रोक के कारण धरती पूरी तरह जल चुकी है. इस स्थिति में नहरों के पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ बारिश जरूरी है, तभी धान की रोपनी समय से हो पाएगी. अगर समय से बारिश नहीं हुई तो किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. खेतों में नहर से मिलने वाला पानी के साथ बारिश होती है तो, खेतों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल जाता है. जिससे धान रोपने के लिए खेत तैयार करने में किसानों को आसानी होती है।

कल बिहार विधानसभा को शिक्षक करेंगे घेराव

नवप्रदेश प्रतिनिधि करगहर। प्रखंड क्षेत्र के बीआरसी परिसर मे रविवार को माध्यमिक शिक्षक संघ ने एक बैठक का आयोजन किया। जिसमे बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ,पटना एवं प्रारंभिक शिक्षक संगठनों की संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में अगामी मंगलवार को बिहार विधान सभा का घेराव करना सुनिश्चित किया । वही शिक्षक संघ के मोर्चा सदस्य संतोष कुमार राय ने बताते हुए कहा कि अस्थापक नियमावली 2023 जब से प्रकाशित हुई है, तब से उसका प्रतिकार एकजुट होकर किया जा रहा है । उसी संदर्भ में प्रखंड संसाधन केंद्र ,करगहर में सभी संगठनों की बैठक संपन्न की गई । बैठक में सर्व सम्मति से अगामी मंगलवार को पटना चलने का निर्णय लिया गया। उन्होंने सभी शिक्षक साथियों से कहा कि आंदोलन के अलावा अब हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है और चुनाव के पहले ही हमें हमारा हक मिल सकता है। चुनाव बाद कुछ भी नहीं बना निर्वाचित का धब्बा लिए ही रिटायर होना होगा।बैठक में धर्मेन्द्र सिंह, तेजनारायण पासवान, अमित सिंह, वरुण सिंह, मो0 कमरुद्दीन,मो0 गुलाम मुस्तफा अंसारी,झैनाथ कुमार, भानु सिंह, राजीव रंजन, संजय शर्मा,विजय कुमार, संजीव कुमार, मिथिलेश श्रीवास्तव, धीरंज सिंह,कमलेश राय, धीरेंद्र पाल, मनीष कुमार, दिलीप कुमार, शिवकुमार गुप्ता,सूर्यवंश कुमार ,शंभू कुमार, भुशेवर कुमार गुप्ता एवं अन्य शिक्षक साथी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता शिक्षक चमेन्द्र कुमार व संचालन संतोष राय ने किया।

पीरी के दो शायर आज आकाशवाणी के अंजूमन उर्दू कार्यक्रम में करेंगे शिरकात

नवप्रदेश प्रतिनिधि पीरो। भोजपुर के दो शायरों कसीम सासाराम व अफताब अख्तर को आकाशवाणी के लोकप्रिय कार्यक्रम अंजूमन उर्दू में कलाम पेश करने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम का प्रसारण सोमवार को सुबह 9 बजे आकाशवाणी पटना से होगा। इस संबंध में कसीम सासारामी ने बताया कि कार्यक्रम की रिकार्डिंग हो चुकी है। इसके लिए पिछले सप्ताह उन्हें आकाशवाणी पटना में आमंत्रित किया गया था। जहां उनके कलाम की रिकार्डिंग पूरी की गई। एक साथ पीरो के दो शायरों को आकाशवाणी के कार्यक्रम में शिरकात करने का मौका मिलने पर यहां के उर्दू गजल व शैरो शायरी में दिलचस्पी रखने वाले लोगों में खुशी देखी जा रही है। कसीम सासारामी स्थानीय संस्था बन्मा-ए-कैफ़ से जुड़े हैं। वे देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाले जलसों में अपनी कला प्रतिभा का जौहर दिखा चुके हैं। वहीं अफताब अख्तर शैरो शायरी के लिए चर्चित नाम है। वे इस फन के माहिर माने जाते हैं। उन्होंने कई कार्यक्रमों में शिरकात कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके है।

जमाबंदी रैयत अपने खाता से आधार सिडिंग

अवश्य करावें: सीओ

नवप्रदेश प्रतिनिधि दावथ। जमाबंदी रैयत के डिजिटल खाता से आधार लिंक का कार्य चल रहा है,ऐसे में जमाबंदी रैयत अपने भूमि के डिजिटल खाता से आधार नम्बर व मोबाइल नम्बर जोड़वा लें.ताकि सरकार के द्वारा मिलने वाला लाभ मिल सके.इस सम्बंध में सीओ नवलकांत ने बताया कि बिहार सरकार भूमि सुधार व राजस्व विभाग के निर्देशानुसार सभी जमाबंदी रैयतों का आधार संख्या व मोबाइल नम्बर जोड़ने का काम चल रहा है.इसके लिए राजस्व कर्मचारी अपने संबंधित हल्का में आधार सिडिंग हेतु जा भी रहे हैं। क्या है आधार सिडिंग से लाभ रैयतों के जमाबंदी से आधार संख्या और मोबाइल संख्या जुड़ जाने के बाद,उनके खाता या खेसरा में किसी प्रकार की गतिविधि अथवा छेड़छाड़ होने पर उनके मोबाइल पर आटोमेटिक मैसेज चला जाएगा.जिससे रैयत किसी प्रकार के धोखाधड़ी या जालसाजी से सुरक्षित रहेंगे.साथ ही सरकार से किसी प्रकार का लाभ लेने में परेशानी नहीं होगी। क्या करना होगा आधार सिडिंग हेतु उद्यतन लगान रसीद की छाया प्रति,रैयत के आधार कार्ड की छाया प्रति व रैयत का मोबाइल नम्बर लेकर राजस्व कर्मचारी से सम्पर्क कर आधार सिडिंग करा सकते हैं.वहीं सीओ ने बताया कि अंचल कार्यालय में प्रत्येक मुख्तार को राजस्व शिविर आयोजित किया जाता है.शिविर में भी आधार सिडिंग किया जाता है.वहीं पुड़े जाने पर सीओ ने कहा कि वैसे रैयत जिन्हन जमाबंदी पिता या दादा के नाम पर है,और दो या दो से अधिक हिस्सेदार हैं,उन्हे बंशावली एवं सभी हिस्सेदारों की सहमति होना अनिवार्य है।

पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु अंचलाधिकारी

अनिल कुमार ने भूमि का दिया एनओसी

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुर। प्रखंड के सदर पंचायत में पंचायत सरकार भवन का निर्माण करने के लिए सीओ अनिल प्रसाद सिंह ने भूमि का दिया एनओसी गौरतलब है कि प्रखंड के 5 पंचायतों में से मात्र एक पंचायत गोशालडीह में पंचायत सरकार भवन का निर्माण वर्षों पहले हो चुका है तथा अमरेंद्रकला पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है जबकि बाकी तीन पंचायत सूर्यपुरा, बलिहार एवं शिवोबहार में पंचायत सरकार भवन का निर्माण करने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण पंचायत सरकार भवन का निर्माण नहीं हो पाया है। वहीं इसकी जानकारी देते हुए सीओ अनिल प्रसाद सिंह ने बताया कि सूर्यपुरा में पंचायत सरकार भवन का निर्माण करने के लिए सूर्यपुरा मौजा में नर्वमिर्गत थाना भवन के सामने 50 डिसमिल भूमिका एनओसी दिया गया है तथा शिवोबहार पंचायत में पंचायत सरकार भवन का निर्माण करने के लिए उक्त मौजा में भूमिका एनओसी दिया गया है जबकि बलिहार पंचायत में उचित भूमि नहीं मिलने के कारण पंचायत सरकार भवन बनाने के लिए एनओसी नहीं दिया गया है।

निःशुल्क आयोजित चिकित्सा शिविर का ग्रामीणों ने उठाया लाभ
नवप्रदेश प्रतिनिधि सहार भोजपुर। चिकित्सा शिविर से ग्रामीणों को मिलता है बेहतर इलाज का लाभ जदयू नेता गुड्डू प्रसाद गुलजारपुर पंचायत मुखिया अनोता देवी जदयू नेता गुड्डू प्रसाद के सौजन्य से खैरा बाजार स्थित प्रसाद कम्लेक्स में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर का उद्घाटन मुखिया प्रतिनिधि जदयू नेता गुड्डू प्रसाद व सुप्रसिद्ध चिकित्सक जे पांडे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । दौरान जदयू नेता गुड्डू प्रसाद ने कहा कि इस तरह के चिकित्सकीय शिविर के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों को अस्हयोग के साथ-साथ अन्य लोगों को भी समुचित जांच व इलाज होता है। इस तरह के आयोजन से छोटी बड़ी बीमारियों का समुचित इलाज परामर्श मिलने से बेहतर इलाज भी किया जा सकता है। साथी समय पर बड़ी आने वाली बीमारियों की पहचान भी किया जा सकता है। आयोजित चिकित्सा शिविर के दौरान कंसलेंट फ्रिजिशियन एवं ब्यूरो लिटर नस रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जे पांडे द्वारा अशुचित उपकरणों से सैकड़ों रोगियों को उपर सुषेन त्रेन ट्यूमर रीड की दर्द ब्लड शुगर हाई समेत अन्य लोग का जांच किया गया ।

संपादकीय



गणित पढ़ाने का ढंग

हाल ही में अलग-अलग बोर्ड के रिजल्ट घोषित हुवे हैं, गणित विषय में छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन बाकी विषयों के मुकाबले अच्छा नहीं रहा है, जबकि गणित विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करना आसान होता है। छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन से गणित अध्यापक और अध्यापिकाओं की चिंता को समझा जा सकता है। साल भर छात्र-छात्राओं के साथ मेहनत करने के बावजूद रिजल्ट आशानुरूप न होना भी चिंताजनक है। आखिर गणित के प्रदर्शन स्तर को कैसे सुधारा जाए और इसे कैसे पढ़ा जाए, इस पर गहन चिंतन की आवश्यकता है। गणित जो कि एक रोमांचक विषय है, उसका डर आज भी बच्चों में ही नहीं, अपितु उनके अभिभावकों में भी है। बच्चे के गणित की परीक्षा के पहले मां-बाप को ज्यादा घबराहट में भी देखा गया है। जिससे भी मिलिए उनमें से आधे लोग गणित से डरे मिलते हैं। आखिर टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में गणित से यह डर क्यों होगा। जो भी बच्चे अच्छा कर रहे हैं, वे भी ज्यादा समय गणित पढ़ने में ही लगाते हैं। या फिर ट्यूशन भी गणित, विज्ञान का ही पढ़ते हैं। हजारों-लाखों रुपया गणित विज्ञान के ट्यूशन में अभिभावक खर्च करते हैं। आखिर ऐसी स्थिति क्यों है? क्या हमारे गणित पढ़ने और पढ़ाने का ढंग गलत है? क्या गणित पढ़ना और पढ़ाना केवल परीक्षा पास करना हो गया है? क्या हम रटने का सिद्धांत अपना रहे हैं? हमारी बच्चों के सामने गणित के प्रति अच्छा दृष्टिकोण रखना होगा। गणित को अच्छूत नहीं, बल्कि अति आवश्यक कारक मानते हुए गणित का सही महिमांमंडन करना होगा। मैथ इज नॉट माय कप ऑफ टी कहने के बजाय अभिभावकों को गणितीय भाषा को अपने दैनिक वातालाप में प्रयोग करना होगा। गणित द्वारा पूरे ब्रह्माण्ड को समझने में किए गए उपयोग को बाना होगा। क्षेत्रफल, आयतन, भार, करेंसी, जनसंख्या, आमदनी, खर्च, बचत, मोल भाव, विभिन्न मिश्रण में अनुपात, कार चलाते समय स्पीड, अक्सैलरेशन और औसत दूरी, पेड़ों की ऊंचाइयों में समानुपात, कोण, आसपास में उपलब्ध वस्तुओं का आकार प्रतिकार, ध्वनि, प्रतिध्वनि आदि अनेक चीजों के द्वारा गणित के बारे में बातें की जा सकती हैं। वैसे भी गणित को वैश्विक भाषा मानने वाले आस्ट्रेडिन् ने अपने चारों ओर देखकर ही तो नरे-नये सिद्धांत दिये। गणित पढ़ने के लिए केवल प्रश्नों का उत्तर देना ठीक नहीं है। गणित वास्तव में पढ़ने के लिए, हरेक सम्भावना, जिससे हम किसी प्रश्न का उत्तर ढूंढना चाहते हैं, को हमको खोजना और समझना होगा। केवल उत्तर पर पहुंचना गणित पढ़ना नहीं होता, उत्तर तक किस-किस प्रकार पहुंचा जा सकता है, वह महत्वपूर्ण है। गणित से तर्क-वितर्क करने की क्षमता विकसित होती है। इसलिए गणित पढ़ने और पढ़ाने की विधियों में क्रांतिकारी परिवर्तन करने की नितांत आवश्यकता है।

सामयिकी

पति ने ज्योति मौर्य से मांगी माफ़ी

बरखा त्रेहन

उत्तर प्रदेश की ज्योति मौर्य की कहानी अब एक नया रंग और रूप लेती जा रही है, जहां पहले यह लड़ाई पति एवं पत्नी की आपसी लड़ाई थी तो अब यह महिला स्वतंत्रता की ओर चलती चली जा रही है। अब यह निकरपं निकाला जाने लगा है कि चूँकि महिला की निजता होती है, अतः उसका सम्मान किया जाना चाहिए। तो वहीं अब समाचार आ रहा है कि ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य ने पत्नी से माफ़ी मांग ली है, तो क्या इसे समस्या का हल या अंत समझा जाए? इस संबंध में यह कहा जा सकता है कि हो सकता है कि आलोक मौर्य जो कि उस महिला का पति है, उसका मीडिया के पास जाना गलत हो और इस विवाद को बराने लाने में उसकी बड़ी भूमिका है, मगर फिर भी अब जिस प्रकार ज्योति मौर्य के इस कदम को हर महिला के अर्धुर जीवन के साथ जोड़ा जा रहा है, वह गलत है। विवाह जैसी मूल संस्था पर प्रश्न उठाए जा रहे हैं, वह गलत है। दरअसल ज्योति मौर्य के मामले के बाद लोगों ने प्रश्न उठाना आरम्भ कर दिया कि न जाने कितने पति हैं जो अपनी अनपढ़ पत्नी को सफल होने के बाद छोड़ देते हैं। या फिर छोड़ते नहीं हैं तो वह गांव में रहती है तो वहीं नई पत्नी शहर में रहती है। कई उदाहरण लोगों ने दिए और वह हर क्षेत्र से थे जैसे राजनीति, साहित्य आदि। राजनीति में वह अमरनाथ सिंह यादव और रामविलास मुसयान तो वहीं साहित्य में तो तुलसीराम की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रही है। इनमें भी तुलसीराम की कहानी अधिक वायरल है, क्योंकि साहित्य संवेदनशील माना जाता है। यह एक सामाजिक समस्या है इसे दूर किए जाने की आवश्यकता थी, न कि उस विकृति को रिस्र्यों के भीतर लाने की थी। और यदि पहले विवाहित पुरुष अपनी पहली अनपढ़ पत्नी को छोड़कर दूसरी स्त्री से विवाह करते थे तो भी स्त्री ही तो दूसरी स्त्री के समक्ष खड़ी होती थी। यह इतना उलझा मामला है, जिसे कथित स्त्रीवादियों के एकतरफा एक्टिविज्म ने और उलझा दिया है। पुरुष आयोग की अध्यक्ष होने के नाते मैं बरखा त्रेहन यह चाहती हूं कि ऐसे मामलों को स्त्री और पुरुष का न बनाकर परिवार का विमर्श बनाया जाए कि कैसे परिवार में प्रेम तथा विश्वास का प्रवाह रहे। यदि पूर्व में पुरुष ने ऐसा किया तो महिला भी ऐसा करेगी तभी सामानता आएगी, यह एक ऐसा विमर्श है जिससे परिवार और समाज दोनों ही दह जाएंगे और विवाह से पर भटकवा कुछ दिनों के लिए तो शांति दे सकता है, मगर अधिक समय तक रहने से वह इस सीमा तक हानि कर देगा कि फिर आपराधिक घटना की आशंका बलवती हो जाती है। जैसा कई मामलों में हम देखते हैं। कई मामले सामने आते हैं, जिनमें पत्नी अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर देती है। यह उसी निजता के विचार का विकृत रूप है जो पत्नी को परिवार से परे जाकर शांति तलाशने पर बल देता है। जहां समस्याओं को आपस में सुलझाकर परिपक्वता की बात की जा सकती है तो वहीं ज्योति मौर्य वाले मामले में पति को लोभी, लालची आदि कहकर एक ऐसी रेखा खींची जा रही है, जिसे पिटाना बहुत कठिन होगा। पति और पत्नी का आपसी विश्वास छिन पिन होगा। भरे पाप कई मामले ऐसे आते हैं, जिनमें पुरुष अपनी समस्याएं लिखकर भेजते हैं और जैसा कि मेरा कहना रहा है कि चूँकि पुरुषों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता, इसलिए सारा गुब्बारा सोशल मीडिया पर फूट जाता है। जैसे ज्योति मौर्य के चरित्र पर प्रश्न उठाना गलत है वैसे ही यह कहा जाना भी एकदम गलत है कि वृद्धी मेम इज भेटेशियल रैफ़र्रे। जब इस कथन का विरोध महिलाओं द्वारा नहीं हुआ तो सामा्यीकरण की लड़ाई में अब यह सब हो रहा है। पुरुषों के प्रति सामा्यीकरण की समस्या है और जैसे ही महिलाओं को लेकर कोई दुर्घटना होती है, तो उसमें पूरे पुरुष वर्ग को घसीट लिया जा रहा है, बिना यह सोचे कि क्या वास्तव में उसका कोई दोष भी है या नहीं? वह भी नहीं ध्यान दिया जाता कि वह किसी का भाई, पिता या बेटा हो सकता है? प्रश्न वहां पर पुरुषों की भावनाओं को समझने का है, जिसे समाज एवं नही न कहनी आवश्यकता तक ने पहले से ही दोषी ठहराकर रखा हुआ है।

(लेखिका पुरुष आयोग की अध्यक्ष हैं)



जय सिंह रावत

देश के 28 राज्यों के साथ ही 3 केन्द्र शासित प्रदेशों से जुटाए गए इन आंकड़ों के अनुसार 8 ने लोकायुक्त का गठन नहीं किया। इन राज्यों में उत्तराखण्ड, असम, गोवा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पुडुचेरी हैं। जम्मू-कश्मीर में जो संस्था थी वह भंग है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के हस्तक्षेप के बाद भी उत्तराखण्ड जैसे कुछ राज्यों ने लोकायुक्त के गठन की पहल नहीं की।

लोकायुक्त से इतनी डरती क्यों है सरकारें

पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन के लिए एक सशक्त लोकपाल की व्यवस्था की मांग को लेकर सन् 2011 में चले अना हजारों के आन्दोलन के फलस्वरूप 1 जनवरी 2014 को अस्तित्व में आए भारत के लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम की धारा 63 में कहा गया था कि संसद द्वारा पारित इस अधिनियम के लागू होने के एक साल के अंदर सभी राज्यों की विधानसभाएं इस एक्ट के अनुरूप लोकायुक्त कानून बनाएंगी और उस कानून के आधार पर राज्यों में लोकायुक्त का गठन होगा, लेकिन 9 साल गुजर गए और देश के 28 राज्यों में से उत्तराखण्ड सहित 8 राज्यों ने लोकायुक्त का गठन नहीं किया। हालांकि कुछ राज्यों में लोकायुक्त संगठन में न्यायिक सदस्यों के पद खाली हैं। कुछ राज्यों ने अब तक कानून तक नहीं बनाए। जबकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी लोकायुक्त का गठन न करने वाले राज्यों को फटकार लगाई जा चुकी है। उत्तराखण्ड में संसद द्वारा पारित मजमून पर आधारित लोकायुक्त कानून 2014 से अस्तित्व में है, मगर सरकारें उस कानून को लेकर अनजान बनी हुई हैं और नया कानून बनाने के बहाने लोकायुक्त का गठन टालती रही हैं। राज्य में लोकायुक्त कार्यालय भी मौजूद है जो कि 2013 से लावाबिरा पड़ा है और उस पर सरकार बेवजह लगभग 20 करोड़ खर्च कर चुकी है। जबकि जिस समान नागरिक कानून की जरूरत ही नहीं उसके पिछे दीवानगी की हद तक पड़ी है। अगर केन्द्र सरकार का समान नागरिकता कानून बन जाता है तो राज्य का कानून निरर्थक हो जाएगा।

45 साल लग गये लोकपाल कानून बनने में

भ्रष्टाचार देश के सामने एक गंभीर चुनौती बन कर खड़ा है। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि भ्रष्टाचार नागरिकों के समानता और जीवन के अधिकार संबंधी संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करता है। वास्तव में भ्रष्टाचार निष्पक्षता, समानता और पारदर्शिता के सिद्धांतों को कमजोर करता है जो नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। भ्रष्टाचार अक्सर सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग, रिश्वतखोरी, भ्रम और सत्ता के दुरुपयोग के साथ-साथ अन्य प्रकार के कदाचार को जन्म देता है। यह सच्चाई छिपी नहीं है कि भ्रष्टाचार की गंभीरता शासन और प्रशासन में बैठे उच्च



स्थानों से शुरू हो रही है। यही नहीं भ्रष्टाचार राजनीति की सबसे बड़ी खुराक साबित हो रही है, क्योंकि इसके दायरे में नौकरशाही के साथ ही राजनीतिक शासक भी आते हैं, इसलिए संभवतः लोकायुक्त का गठन में संकोच होता है। अभी भ्रष्टाचार के मामलों में जांच करना या न कराना शासन-प्रशासन में कोई भी व्यक्ति सीधे लोकायुक्त से किसी के भी खिलाफ जांच की मांग कर सकता है। लोकपाल का डर ही था कि 1968 से लेकर 2013 तक संसद लोकपाल को कानून पास नहीं कर सकी। लोकपाल कानून बनने के 5 साल बाद केन्द्र में पिनाकी चन्द्र घोष को लोकपाल के तौर पर नियुक्ति हो सकी मगर उनका कार्यकाल 27 मई 2022 को पूर्ण होने के बाद भी नए लोकपाल की नियुक्ति के बिना केन्द्र में प्रभारी लोकपाल से काम चलाया जा रहा है।

आठ राज्यों में लोकायुक्त का नहीं हुआ गठन

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार संसद द्वारा पारित लोकपाल-लोकायुक्त कानून के अस्तित्व में आने के बाद भी 28 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों में से 9 ने अभी तक केन्द्रीय कानून के अनुरूप या समरूप अपने लोकायुक्त कानून में संशोधन नहीं किया। देश के 28 राज्यों के साथ ही 3 केन्द्र शासित प्रदेशों से जुटाए गए इन आंकड़ों के अनुसार 8 ने लोकायुक्त का गठन नहीं किया। इन राज्यों में उत्तराखण्ड, असम, गोवा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पुडुचेरी हैं। जम्मू-कश्मीर में जो संस्था थी वह भंग है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों

के हस्तक्षेप के बाद भी उत्तराखण्ड जैसे कुछ राज्यों ने लोकायुक्त के गठन की पहल नहीं की। सन् 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने 12 राज्यों के मुख्य सचिवों को अपने यहां यथाशीघ्र लोकायुक्तों के गठन के निर्देश दिए थे।

कहीं लोकायुक्त है कहीं तो सदस्य नहीं हैं

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में सभी आवश्यक उपलोकायुक्तों (सदस्य) की नियुक्ति नहीं हुई। आज एक देश एक कानून की बात तो होती है, मगर लोकायुक्त कानूनों में एक रूपता नहीं है। हिमाचल प्रदेश में जहां शिकायत दर्ज करने का शुल्क मात्र 3 रुपये है, वहीं गुजरात और उत्तर प्रदेश में यह शुल्क 2000 रुपये रखा गया है। कुछ राज्यों ने संसद द्वारा पारित लोकायुक्त कानून के मजमून को अपनाने के बजाय अपनी सुविधानुसार कानून बना दिए। उत्तराखण्ड जैसे राज्य में संसद द्वारा पारित मजमून के अनुसार बने कानून को नहीं माना जा रहा है और अपना अलग कानून बनाने का तर्क देकर मौजूदा कानून के अनुसार लोकायुक्त का गठन नहीं किया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद लोकायुक्त का गठन करने के बजाय राज्य सरकार समान नागरिक संहिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, जबकि केन्द्र सरकार स्वयं समान नागरिक संहिता बनाने जा रही है। अगर केन्द्र का कानून बनता है तो पुडुचेरी हैं। जम्मू-कश्मीर में जो संस्था थी वह भंग है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों

सन् 60 के दशक से चल रही थी लोकपाल की मुहिम

शासन-प्रशासन में सुचिता और सुशासन के लिए एक सशक्त भ्रष्टाचार विरोधी संस्था की वकालत सन् 1960 के दशक से शुरू हो गई थी। इस तरह की एक संस्था की कल्पना सबसे पहले 1963 में विख्यात न्यायविद डॉ. एल.एम. सिक्की ने की थी। सन् 1967 में मोरारजी देसाई प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के अधीनस्थ, 2013, विधेयक का अंतिम संस्करण था जो अंततः कानून बन गया। संसद द्वारा पारित इस विधेयक को 1 जनवरी 2014 को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई।

उड़ीसा ने सबसे पहले बनाया लोकपाल कानून

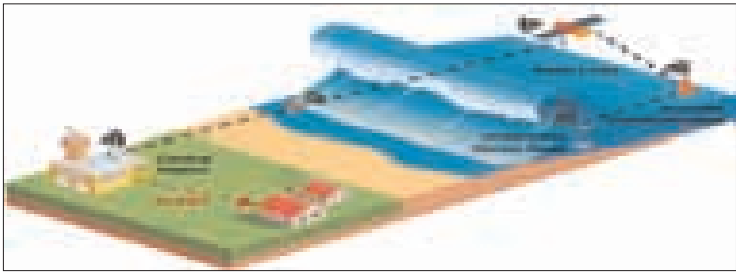
केन्द्र में लोकपाल-लोकायुक्त कानून आने के बाद उड़ीसा पहला राज्य था जहां 14 फरवरी 2014 को संसद द्वारा पारित कानून के मुताबिक लोकायुक्त कानून बना था और उसके बाद उत्तराखण्ड दूसरा राज्य था जिसका लोकायुक्त कानून 26 फरवरी 2014 को अस्तित्व में आया था। लेकिन इतने साल बाद भी उस कानून के अनुसार उत्तराखण्ड को एक अदद लोकायुक्त नहीं मिल सका। सन् 2017 में सत्ता परिवर्तन के बाद मौजूद कानून को नकार कर 100 दिन के अंदर एक नया मजबूत लोकायुक्त कानून लाने के साथ ही लोकायुक्त के गठन का वादा किया गया था, लेकिन न तो नया कानून आया और ना ही सी दिन के बजाए 6 साल गुजरने पर भी नया लोकायुक्त अस्तित्व में आया। उच्च को जो कानून 2014 में पारित हुआ था उसका अभी तक निरसन नहीं हुआ। इसका मतलब है कि उत्तराखण्ड में अपना कानून मौजूद है जिसे संसद की स्वीकृति तक हासिल है, फिर भी लोकायुक्त के गठन को टालने के लिए बहाने बनाए जा रहा हैं। सन् 2017 में तत्कालीन सरकार लोकायुक्त पर जो कानून बनाता चाहती थी उसका विधेयक ही कालातीत हो गया। इसलिए फिलहाल 2014 का कानून ही अस्तित्व में है।

अर्ली वार्निंग सिस्टम की बढ़ती विश्वसनीयता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व मौसम विज्ञान संगठन और भारत के संदर्भ में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पृवानुमान सटीक होने से बड़ा लाभ मिला है। हालांकि जब तेज तूफान आते हैं तो बिजली व अन्य पोल, पुरानी बिल्डिंग, पेड़-पौधों और अन्य संरचनात्मक ढांचों का नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते प्राकृतिक आपदाएं अब अधिक होने लगी हैं। आए दिन दुनिया के किसी न किसी कोने में कोई न कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा देखने को मिल जाती है। समुद्री तूफान, जंगलों में दवानल व भूकंपों की फ्रिक्वेंसी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में आज अर्ली वार्निंग सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ी है। कुछ दिन पहले बिपरजाँव चक्रवात से हम रूबरू हो चुके हैं। सबसे अच्छी बात यह रही कि बिपरजाँव चक्रवात के आने का समय, उसकी चाल और गति से लेकर उसके फैलाव व प्रभाव क्षेत्र की पूर्व जानकारी मिलने से जनहानि लगभग शून्य रही है। प्राकृतिक आपदा के प्रबंधन का इससे बेहतर उदाहरण देखने में लगभग नहीं के बराबर है। आखिर यह सब इसलिए संभव हो पाया कि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा समय पर सटीक जानकारी दी गई और इस जानकारी के आधार पर आपदा प्रबंधन के व्यवस्थित व योजनाबद्ध प्रयास हो सके जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए और जनहानि से बचाने में बड़ी सफलता प्राप्त हो सकी। यह इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि एक समय था जब आपदा प्रबंधन के हालात अच्छे नहीं होने के कारण जनहानि अधिक होती थी। फिर जनहानि की तो भरपाई की जा सकती है पर जलहानि की भरपाई किसी भी तरीके से संभव नहीं है, हुदहुद, वरद, फैनी, अम्फान, ताड़त व बिपरजाँव तूफान तक 11 बड़े चक्रवाती तूफान आ चुके हैं। दरअसल बिपरजाँव तूफान के सुरुष साइक्लोन होने के कारण भारी जन-धन हानि होने की आशंका व्यक्त



की जा रही थी। यही कारण है कि करीब एक लाख लोगों को गुजरात के तटीय इलाकों खासतौर पर भेजा गया। लोगों को सचेत किया गया। पन-पल की जानकारी साझा की जाती रही। लगभग 100 ट्रेनों के फेरे रद्द किए गए या उनकी राह बदली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गुहमर्ती अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्र सरकार के मंत्रीगण, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केवल स्थिति पर नजर रखे रहे अपितु उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा करते रहे। हालांकि कुछ साल पहले मौसम विभाग के पृवानुमानों को मजाक के रूप में लिया जाता था। लेकिन लगभग यही छवि मौसम विभाग के पृवानुमानों को लेकर होती थी। पर आज हमारे मौसम विभाग ने पृवानुमानों के आकलन की सबसे बेहतरीन आकलन माना जा सकता है। पिछले दो-तीन साल से मौसम विभाग ने अपनी छवि को न केवल बेहतर

बनाया है अपितु मौसम विभाग के पृवानुमान खरे उतर रहे हैं। देश में पिछले दो-तीन साल में आये चक्रवाती तूफानों की मिनट-मिनट की सटीक जानकारी ने जनहानि को इस साल शून्य स्तर तक पहुंचा दिया है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि बिपरजाँव में दो लोगों की जान गई पर उसके कारण आपदा प्रबंधन न होकर कोई अन्य कारण रहे। दरअसल विश्व मौसम विज्ञान संगठन और भारत के संदर्भ में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पृवानुमान सटीक होने से बड़ा लाभ मिला है। हालांकि जब तेज तूफान आते हैं तो बिजली व अन्य पोल, पुरानी बिल्डिंग, पेड़-पौधों और अन्य संरचनात्मक ढांचों का नुकसान होना स्वाभाविक है। तेज हवाओं से या तेज बरसात से नदी-नालों में उफान और बाढ़ जैसे हालात होना अपने आप में नई बात नहीं है। आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि समयपूर्व सूचना से जिस तरह से जनहानि को न्यूनतम स्तर पर लाने में सफलता मिली है ठीक इसी तरह से अन्य नुकसान को रोकना तो नहीं जा सकता पर उसे कम किया जा सकता है। ग्लोबल कमीशन ऑन एडैप्टेशन की माने तो

मौसम खराबे की चेतावनी देने वाला सिस्टम लोगों की जान बचाने में सहायक होता है। आयोग तो यहां तक मानता है कि 24 घंटे पहले भी चेतावनी मिलती है तो अन्य नुकसान को भी 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। हालांकि लाख प्रवासी के बावजूद एक मोटे अनुमान के अनुसार 2015 से 2021 के दौरान प्रति वर्ष औसतन 33 अरब डॉलर प्राकृतिक आपदाओं के कारण नुकसान के भेंट चढ़ जाते हैं। हालांकि यह बड़ी राशि है पर पूर्व चेतावनी के चलते इसमें लगातार कमी होती जा रही है। एक समय था जब प्राकृतिक आपदाओं खासतौर से समुद्री तूफानों और सुनामी आदि के कारण हजारों हजार लोग अपनी जान गंवा देते थे। आज जनहानि को लेकर तो हालात बदले हैं। अन्य नुकसान को भी कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। देखा जाये तो बिपरजाँव चक्रवाती तूफान ने एक मिसाल भी कायम की है कि मौसम विभाग के सटीक पृवानुमान और उत्तरे आधार पर आपदा प्रबंधन व्यवस्था हो तो हालात से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। जनहानि तो रूकेगी ही साथ ही तूफानी हवाओं व फिर इसके बाद तेज बरसात से होने वाले नुकसान को भी कम किया जा सकता है तो दूसरी और वैकल्पिक प्लान तैयार रखकर जनजीवन को अस्त-व्यस्त होने से रोकना जा सकता है। बिपरजाँव की एक मिसाल के रूप में देखा जा सकता है। वहीं मौसम विज्ञान विभाग की इसलिए पीठ थपथपानी चाहिए कि आज उनका आकलन अधिक सटीक होता जा रहा है जिसका सीधा लाभ ग्रामीण होने लगा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)



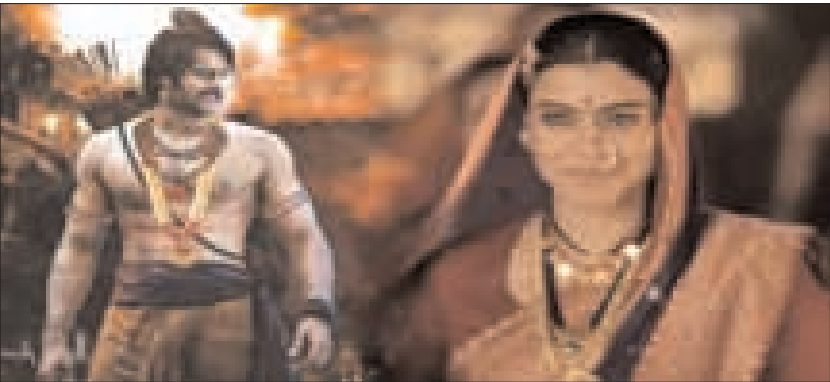
अमिय भूषण

अगली सुनवाई पर फिल्म के निमाता निर्देशक और पटकथा लेखक को भी तलब किया गया है। आपत्तियों के लिए एक समिति भी गठित की गई है। इसके साथ ही कोर्ट ने सूचना प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को इस याचिका के जवाब में निजी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। आखिर ऐसी घटनाओं का कारण क्या है?

फिल्म आदिपुरुष के बड़बोले पटकथा लेखक मनोज मुंताशिर ने निना शर्त माफ़ी मांगी है। वहीं, 'बजरंग बली' सर्वों पर कृपा करें और हमें अटूट रहकर देश-धर्म की सेवा करनी है', जैसे बयान भी दिए हैं। इससे पहले सेंसर बोर्ड चेयरमैन प्रसून जोशी इस्तीफा की पेशकश कर चुके हैं। दरसल आदिपुरुष का बखेड़ा थपता नहीं दिख रहा है, लोगों के रोष के नाते थियेटर खाली हैं। वहीं फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म रिलीज संभावना पर भी पानी फिर रहा है, क्योंकि रिलीज के साथ ही फिल्म इंटरनेट पर लीक हो चुकी है। ऐसे में ओटीटी प्लेटफॉर्म खिलाड़ियों ने हाथ खड़े कर दिए हैं। इस बीच भारत से नेपाल तक आक्रोश और विरोध जारी है। एक ताजातरीन मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने इसे बेहद आपत्तिजनक मानते हुए कहा की रामायण जैसे धर्मग्रंथ को तो बख्श दीजिए। न्यायालय ने तलब टिप्पणी करते हुए कहा की आप कुरआन पर एक डॉक्यूमेंट्री बना दीजिए, फिर देखिए क्या होता है? इस बीच अगली सुनवाई पर फिल्म के निमाता निर्देशक और पटकथा लेखक को भी तलब किया गया है। आपत्तियों के लिए एक समिति भी गठित की गई है। इसके साथ ही कोर्ट ने सूचना प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को इस याचिका के जवाब में निजी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। आखिर ऐसी घटनाओं का कारण क्या है?

कई अस्वीकार्य तथ्य

दरअसल रामायण भारत के घर-घर सुनी जाने वाली महागाथा है। वहीं सम्पूर्ण दक्षिण एवं पूर्व एशियाई देशों में यह जन अभिव्यक्ति का एक पुरातन माध्यम रहा है। इसके द्वारा जन शिक्षण का कार्य होता रहा है। यह मूल्यबोध से परिचित कराने आदर्श बताते और सुसंस्कृत बनाने के एक प्रभावी जरिया रहा है। इसको आप सर्वत्र महसूस कर सकते हैं। ऐसे में जहां हर भारतीय इस कथा से पूर्व परिचित है, वहीं रामायण के नाम पर अगर कुछ भी नहीं परोस सकते हैं, वहां रामायण से सम्बंधित पात्रों को लेकर भी एक पूर्व धारणा है। हर रामकथा, भगवती सीता के महान चरित्र का प्रतिपादन और रावण से आतंकियों के अंत की



कहानी है। यह प्रभु श्रीराम के मर्यादाओं की स्थापन संम अन्याय के प्रतिकार की गाथा है। ये भाव दुनियाभर में रहे गए हर रामायण के उद्गार है। इस फिल्म में ना तो ऐसा का क्रम सही है और ना ही दृश्यांकन एवं संवाद। ऐसे में रामायण के नाम पर कुछ भी स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। पहले इसे रामायण फिर आपत्तियों के बाद रामायण प्रेरित बात कर चलाया जा रहा है। जबकि फिल्म के शुरुआत में ही पदं पर इसे बाल्मीकि रामायण का स्क्रीन रूपांतरण बताया गया है। किंतु इस फिल्म में राम सीता जंगल में नाचते गाते दिखाए गए हैं। बात रामायण की करें तो इनका वनवास पिता के वचनमान पूर्ति वाला एक राजदंड था। वहां फिल्म में शृणुक्षा राम से मिलती है और अपनी नाक कट्टा बैठती है, जबकि फिल्म ने ताड़का के सिवा किसी अन्य स्त्री को कभी दंडित नहीं किया है। इस फिल्म में सीता हरण देखते हुए भी राम एक मूक दर्शक बने हैं। क्या वास्तव में कोई वीर पुरुष अपनी स्त्री का हृदय आंखों के सामने देख मौन रहेगा? वहीं सीता यहां बिना विरोध के रावण द्वारा हर ली जाती है। वहीं नहीं हरण उरांत भी कोई प्रतिकार नहीं करती हैं। लंका में वो रावण संग वातालाप में प्रेम का मूल्य सोने में चुकने की बात करती हैं। एक दूसरे संवाद में सीता द्वारा किसी मूल्यवान

संग्रहणीय वस्तु के बदले प्रेम स्वीकृति की बात आती है।

क्या देवी सीता का ऐसा चरित्र था? ऐसे देवीों काल्पनिक दृश्य और आपत्तिजनक संवाद फिल्म में भरे पड़े हैं।

घटनाओं के काल से भी छेड़छाड़

आदिपुरुष की सीता जटायु से पूर्वपरिचित है और उन्हें मदद की जगह लौट जाने को कहती है। यहां राम जटायु से बिना मिले ही उसको मित्र मानते हैं। वहीं मृत जटायु का दूढ़ कर उनका शवदाह करते हैं। इन बातों का रामायण में वर्णित तथ्यों से कोई सम्मानता नहीं है। यही नहीं राम बिना कबंध को मिले शबरी से मिलते हैं। इससे पूर्व ही राम हनुमान भेंट हो चुकी है, जबकि किसी भी राम कथा में ऐसा कोई जिक्र नहीं है। पहले कबंध फिर शबरी और तब हनुमान जी संग रामजी के भेंट की चर्चा है। फिल्म में दिखाया गया राम हनुमान भेंट भी विश्वास योग्य नहीं है। वास्तव में यह एक अविस्मरणीय भेंट थी। यहां सुग्रीव के दूत हनुमान, राम की परीक्षा लेकर उनके प्रिय पात्र बन जाते हैं। वहीं नहीं वो इनके मैत्री के भी मध्यस्थ है। यहां बाली वध सुग्रीव का राज्यारोहण और विभीषण संग भेंट सब उलट-पुलट है। रामायण कथानुसार वचनबद्ध सुग्रीव, सीता अन्वेषण हेतु हर दिशा में अपने दूत भेजते हैं।

विभीषण संग प्रथम भेंट हनुमान की है। हनुमान सीधे लंका के अशोक वाटिका में प्रकट होते हैं। फिर वो रावण के वक्शॉप में पेश किए जाते हैं। अटूट रहना योजना और अनुभव के रामसेतु बांध दिया जाता है। इतना ही नहीं विभीषण रावण के विरोध में सपरिवार राम के शिविर में देखा जा रहा है। वहीं रावण का एक गुप्तचर विभीषण का रूप धर श्रीराम के शिविर में आता है। यहां वो सीधे राम से मिलता और पकड़ लिया जाता है। ऐसे ही इस फिल्म में अंगद राम के संदेशवाहक नहीं अपितु पकड़े गए गुप्तचर को पहुंचाने वाले दूत है, जबकि अंगद की ये भूमिका अत्यंत प्रभावी थी। आज भी अंगदी पांव की उपायों दी जाती हैं। यह रामायण का एक प्रमुख दृष्टांत है। फिल्म में विभीषण की पत्नी मुंछित लक्ष्मण की चिकित्सा करती है। जबकि वहां न उनके नाम और न ही वैद्य होने की चर्चा आयी है। यह फिल्म ऐसी ही तथ्यहीन बातों से पटी है। यहां बुद्धभूमि में जंजीरों में जकड़ी सीता को देख राम बैठते हैं। तभी रावण का पत्र मेघनाथ आकर देवी सीता का गला कट देता है। राम की गोद में पड़ी सीता राम के शिविर से आए रावण के दूत रूप में परिणत हो जाती हैं। यह फिल्म आरंभ से अंत तक बाह्यिात अवास्तविक तथ्यों से भरी पड़ी है। बात रामायण के अनुसार पात्रों के वेशभूषा की करें तो राम लक्ष्मण सीता भगवा योगी वेश में होने चाहिए। जबकि हनुमान जी लाल लाल देह लाल वस्त्रों वाले दिखने चाहिए थे। किंतु यहां इन्हें रामायण की कथा और मर्यादा से कहीं इतर दिखाया गया है। फिल्म में सीता हरण को आया रावण कर्मदंड नहीं मुस्लिम फकीरों सा झोली फैलाता है। फिल्म के पात्रों का ये सब रूख हिंदू आस्थाओं पर चोट है। रामायण में वर्णित लंका सोने की थी तो अशोक वाटिका अशोक वृक्षों से भरा था। किंतु फिल्म में लंका काली और अशोक वृक्ष है ही नहीं। आदिपुरुष का रावण सीता हरण के लिए चम्पागुड पर खबर होकर पहुंचता है। जबकि रामायण में रथ और विमान का जिक्र है। वहीं सनातन मान्यताओं में प्रभु राम को सदैव दाढ़ी मूंछ से रहित षोडश दिखाने की परंपरा है। यहां वें एक पारक्रमी धनुर्धारी और अवतारी पुरुष हैं। इसके उलट फिल्म में उन्हें अपने शत्रु से पिटते दिखाया गया है। फिल्म का नाम

आदिपुरुष भी आपत्तिजनक है, क्योंकि श्रीराम किसी आदिमानव समूह के प्रथम पुरुष नहीं थे। वे तो राजा इक्ष्वाकु के वंशज थे, जिसका जिक्र रामायण एवं पुराणों में वर्णित है। भला ऐसे में आदिपुरुष का क्या मतलब है? वहीं फिल्म में पात्रों के नाम भी अजीब हैं, राम रावच तो सीता जानकी पुकारी जा रही हैं। लक्ष्मण शेष तो हनुमान बजरंग बुलाए जा रहे हैं। जबकि वास्तव में ये नाम इनके परिवार,उप्पा और पूर्ववतार से संबंधित है।

संवाद भी तर्कहीन

बात फिल्म के संवादों की करें तो इसके अनुसार सीता, लंका में भारत की बेटी हैं। इस पदुं पर जब नेपाल में फिल्म पर रोक लगी तो बदल कर इसे मिथिला की बेटी कर दिया गये। जबकि वहीं लगे हाथ फिल्म निर्माणकर्ताओं की ओर से एक पत्र भी काठमांडू के मेयर के नाम जारी किया गया। पत्र की भाषा के अनुसार सीता जी की जन्मभूमि नेपाल है, जबकि यह स्थल वृक्षार के सीतामढ़ी जिल्ला अंतर्गत पुनौरा ग्राम है। इसकी चर्चा बाल्मीकि रामायण के बालकांड में वर्णित है। बात इस संवाद की करें तो देवी सीता लंका किसी उपलब्धि के लिए नहीं अपितु बलात हरण नाते गई थीं। यहां अपने शील मर्यादाओं के रक्षण पालन के नाते वो पुनर्नीय हैं। ऐसे में बजाय बेटी के भारत की महान नारी के रूप में उन्हें बताया जाना उचित रहता। ऐसा ही एक संवाद लंका से लौटे हनुमान और राम का है। यहां दलीलें धर्मनिरपेक्षता की दी जा रही हैं जबकि व्यक्ति को सदैव न्याय एवं धर्म के पक्ष में होना चाहिए। फिल्म निर्माणकर्ता इनने पर भी नहीं रुके। इन्होंने भावनाओं को आहत करण का सिलसिला लगातार जारी रखा। मीडिया के विभिन्न माध्यम उनके ऐसे उन्मादपूर्ण वक्तव्यों से पटे हैं। फिल्म के स्वनामधन्य संवाद पटकथा लेखक मनोज मुंताशिर लगातार कुछ न कुछ कहते रहे। इन्होंने मीडिया में भारत नेपाल विभाजन की तारीख बताया और लगे हाथ हनुमान जी पर भी दम भर अटपटा उत्तेजनक बोला। खुद को भक्तकीय तुलसीदास के समतुल्य आंकते हुए अपनी इस लेखनी को रामचरित मानस सा प्रयोग बताया। जबकि ये अपने कथा और संवादों का संदर्भ तब बता पाने में अक्षम हैं।

एक नजर

दलितों के मसीहा महेंद्र दास के आकस्मिक निधन पर विद्यालय परिवार ने शोक संवेदना प्रकट की

जयनगर। प्रखंड के पूर्व विधायक प्रतिनिधि सह समाजसेवी महेंद्र दास के मृत्यु पर प्रखंड के इंडियन प्रोग्रेसिव पब्लिक स्कूल पातिशाले में 2 मिनट का मौन धारण रखके उनके द्वाँगत आत्मा की शांति के लिए कामना की। वहीं विद्यालय के प्राचार्य ललन यादव ने कहा है कि वह एक नए दिल के आदमी थे। उन्होंने हमेशा लोगों को मदद करने के लिए तत्पर रहते थे। उन्होंने अपना सारा जीवन लोगों के प्रति समर्पित करके सेवा भाव से लोगों का मदद करते रहें। उन्होंने कहा कि उनके मृत्यु हो जाने से क्षेत्र में हमेशा कमी खलेगी और वह हमेशा हम लोगों के दिलों में याद आएंगे। वहीं विद्यालय के निर्देशक मकबूल अंसारी ने कहा है कि महेंद्र दास दलित नेता का आज आकस्मिक निधन हो जाने से पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। मैं भगवान से हमेशा प्रार्थना करता हूँ कि इस दुखद परिस्थिति में मृतक के परिजनों को दुख सहने की शक्ति दे। वहीं शिक्षक सनुधन यादव, सुनील कुमार दास, आशित कुमार यादव, रोहित यादव, अजय राणा, बैजनाथ यादव, संजु कुमारी, रणु कुमारी, अशमा प्रवीण सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं ने गहरा शोक संवेदना प्रकट किए और भगवान से प्रार्थना किए कि उनको हमेशा अपने चरणों में स्थान दें।

भाजपा की डबल इंजन की सरकार मणिपुर में अघोषित आपातकाल पर चुप है भाजपाई: रूचिर तिवारी

मेदिनीनगर पलामू। आज रामगढ़ प्रखंड के ग्राम बेडमा में आम जनता की जनसमस्याओं को लेकर बैठक की गई बैठक की अध्यक्षता रामशरण भूइया ने किया। बैठक में सर्वप्रथम ग्रामीणों की जनसमस्याओं से भाकपा के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य अवगत हुआ जिसमें यह पाया गया कि सावन के महीना शुरू होने के बाद भी पैक्स के द्वारा किसानों को मिलने वाला बीज और खाद अभी तक उपलब्ध नहीं हो पाया। किसान ऊंची दामों पर दुकानों से बीज लेने को विवश है लेकिन इस ओर चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार एवं उसके पदाधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी किसानों के नाम पर लंबा भाषण तो देते हैं कई घोषणाएं करते नजर आते हैं लेकिन उनकी घोषणाएं सिर्फ कागज पर नजर आती है। वहीं बहुती महंगाई के चलते बीज और खाद लोगों से भी अधिक कीमत पर बाजार में मिल रहा है जिसके चलते खेती महंगी हो गई। मनरेगा में कोई काम नहीं है। दूसरी ओर गरीब का बेटा कह कर वोट लेने वाले भाजपा के विधायक आलोक चौरसिया को आम जनता की जन समस्याओं से कोई मतलब नहीं है वह कांग्रेस के समय के आपातकाल के बारे में चर्चा कर रहे हैं जो सर्व विदित है लेकिन भाजपा के शासित राज्य मणिपुर में अघोषित आपातकाल उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में कुछ नहीं बोलते जबकि वहां भाजपा की डबल इंजन की सरकार है जिस डबल इंजन सरकार का बखान सभी भाजपाई करते नहीं थकते हैं। आम जनता उनकी इस चाल को समझ चुकी है उनकी आने वाले समय में जनता उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी। बैठक में नगर सचिव सुरेश ठाकुर नसीम राइन सोनु अहमद, रामजन्म भूइया,र।फ्कार अंसारी, बिहारी भूइया,अहमद अंसारी , सुखलाल भूइया, श्याम नातयण साव, लोचन भूइया,सुलोचन कुंआर, शांति कुंआर,गनीया देवी, लालती देवी, मालो देवी, बनारसी सहित कई लोग उपस्थित थे।

रूपनडीह शिवसागर तालाब लगूवार पिण्डा के प्रथम वर्षगांठ पर भव्य महाआरती का आयोजन



सिन्हा द्वारा किया गया। महाआरती में मुख्य रूप से कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव 20 सूत्री उपाध्यक्ष कोडरमा लीलावती मेहता, जिला परिषद सदस्य शांतिप्रिया, डोमचांच प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण यादव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, नावाडीह मुखिया ममता देवी, मधुबन मुखिया प्रवीण यादव, पुरना डीह मुखिया पप्पू यादव, पूर्व मुखिया सुरेश कुमार मुख्य रूप से मौजूद थे। साथ ही महाआरती में क्षेत्र के सैकड़ों महिलाएं पुरुष भाग लिए। महाआरती कार्यक्रम में सर्वप्रथम हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस दौरान हर हर महादेव जय श्रीराम के गाने लगाए गए। बता दें की बनारस की गंगा आरती की तरह यहां सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु जुटे साथ ही चारों तरफ अंधेरे को चीरती हुई दीये और रोशनी जगाममाने लगी महाआरती का नजारा अयोध्या की तरह ही दिख रहा था। पंडितों द्वारा पवत्रि मंत्रोच्चारण से वातावरण शुद्ध हो गया वहीं जगमग लाइटें इसकी खुबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया गया। महाआरती कार्यक्रम में महेंद्र यादव, शिशिर सिंह, सुबोध यादव संजय पासवान परमेश्वर यादव, बसंत मेहता भीम सिंह, प्रेमशु कुमार, दिनेश साव, संतोष पंडित, मधेश मेहता दिवाकर सिन्हा सुजीत मेहता अमरदीप कुमार, रंजन राज, महेश दास, इत्यादि मौजूद थे।

20 सूत्री कार्यान्वयन समिति के प्रखंड उपाध्यक्ष ने की सरकार से जनहित में मुख्य मांग

डोमचांच। 20 सूत्री कार्यान्वयन समिति के प्रखंड उपाध्यक्ष अनंत कुमार मेहता के द्वारा पूर्व में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष महादेव राजेश ठाकुर को डोमचांच नेरो पहाड़ी से जानपुर तक अग्रिजों जमाने में बनी सड़क जो अब खतरनाक व दुर्घटनाकारी सड़क बन गई है इसे वन विभाग से अनापति प्रमाण पत्र दिला कर नई चौड़ी सड़क निर्माण करा देने की हेतु जापन दिया था। एवं दिनांक 28/06 /2023 को 20 सूत्री कार्यान्वयन समिति के बैठक में इस हेतु मैंने एक प्रस्ताव प्रखंड विकास पदाधिकारी महोदय डोमचांच को दिया। इसे हेतु पहल का मैं स्वागत करता हूँ एवं मुझे अपार खुशी है कि ग्रामीणों को आवागमन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी किन्ही का जान माल को नुकसान नहीं होगा। खासकर तीन और मुख्य बातों को रखा गया जो निम्न है:
पंचायत फुलवरिया, मसनोडीह, धरगांव जंगल के किनारे किसानों के फसलों जंगली जानवर हिरन, सुअर, सोगर, निलगाय, स्याही इत्यादि चर जाते हैं, नष्ट कर देते हैं, इस हेतु लगभग 10 किलोमीटर जंगल के किनारे घेराबंदी वन विभाग के द्वारा करा देने का कृपा किया जाए। सरकार के द्वारा पंजीकृत प्राइवेट अस्पतालों एवं प्राइवेट दवा दुकानों को आयुष्मान कार्ड योजना के तहत टैटा किया जाए ताकि गरीबों को इलाज एवं दवा में राहत मिली वह जनमानस के लिए राहत व कल्याणकारी होगा। भक्ति का प्रस्ताव मैंने दिया था ताकि जनमानस का बेहतर इलाज किया जा सके लेकिन अब तक इस हेतु कोई कार्यवाही नहीं किया जाना निराशाजनक है आशा करता हूँ कि इसके लिए अति शीघ्र पहल किया जाएगा।

डोमचांच पुलिस ने दो अप्राथमिकी अभियुक्त एक वारंटी को किया गिरफ्तार

डोमचांच। थाना कांड संख्या 154 / 21 दिनांक 16.12.021 धारा 379 क.ड.उ.के अप्राथमिकी अभियुक्त 1.महेंद्र तुरी उम्र 32 वर्ष पिता तेजु तूरी 2. गोपाली राय उम्र 45 वर्ष पिता सोमर राय दोनों प्राम निमाड़ीह थाना राजधानपुर जिला गिरिडीह 3.1262/15 के वारंट मोहनदास पिता राजकुमार दास प्राम नवाडीह थाना डोमचांच जिला कोडरमा को गिरफ्तार कर चकित्सीय जांच पश्चात माननीय न्यायालय कोडरमा में उपस्थान हेतु भेजा गया।

आचार्य सिद्धेश्वर फाउंडेशन द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजन



नव प्रदेश संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू। हुसैनाबाद स्थानीय टाऊन हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन आचार्य सिद्धेश्वर फाउंडेशन जपला द्वारा आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता अंगद किशोर व संचालन श्रवण कुमार अग्रवाल ने किया। शिक्षाविद सह वरिष्ठ अधिवक्ता

चन्नेश्वर प्रसाद,संस्था के अध्यक्ष शशि कुमार, राजेन्द्र सिंह आदि ने मौं सरस्वती व आचार्य सिद्धेश्वर पाठक के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई। आचार्य सिद्धेश्वर पाठक के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान टॉपर्स से वातालांप की गई। विद्यार्थियों ने जीवन के अपने लक्ष्य के बारे में विचार व

अनुभव को साझा किया। हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय के मैट्रिक व इंटरमीडिएट के पास आउट 50 टॉपर्स विद्यार्थियों को उपहार व शशस्ति पत्र भेंट की गई। उन्हें सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। चन्नेश्वर प्रसाद ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कई टिप्स दिए। कहा कि यह सम्मान आपको जीवन मे सफल होने में प्रोत्साहित

जवाहर नवोदय विद्यालय भवन निर्माण की गड़बड़ी की शिकायत इंटक के प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह ने जांच की मांग की

हुसैनाबाद पलामू। इंटक के झारखंड प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह ने जवाहर नवोदय विद्यालय निर्माण पलामू टू जपला के भवन निर्माण कार्य की जांच उच्च स्तरीय कमेटी से कराने की मांग पलामू के उपायुक्त की की है। उन्होंने बताया कि लंगर कोट समेत आस पास के ग्रामीणों ने इंटक के प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह से मिलकर भवन निर्माण कार्य में भारी अनियमितता की लिखित शिकायत की है। ग्रामीणों ने कहा है कि जवाहर नवोदय विद्यालय पलामू टू जपला के भवन निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा



रहा है। उन्होंने कहा है कि बालू की जगह पथर के डस्ट से ईंट की जोड़ाई की जा रही है। जवाहर नवोदय विद्यालय का काम अंतिम चरण में है। श्री सिंह ने जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रबंधन को

नवनिर्मित भवन हस्तांतरित नहीं करने का आग्रह किया है। प्रबंधन जांच से संतुष्ट होने के बाद भवन को लेगा तो बेहतर होगा।नवनिर्मित भवन की दीवार में दरार भी हो गया है। बच्चो और शिक्षकों की जान जोखिम में डाल कर पठन पाठन करना उचित नहीं होगा। उन्होंने उपायुक्त को पत्र देकर घटिया निर्माण कार्य की शीघ्र जांच कराने की मांग की है। विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह ने कहा है कि उन्होंने जनता के आवेदन को विधायक कमलेश कुमार सिंह को भेज कर उन्हे वस्तु स्थिति से अवगत करा दिया है।

अभाविप 75वां स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय छात्र दिवस के रूप में मनाया



नवप्रदेश, कोडरमा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोडरमा (एबीवीपी) का 75वां स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय छात्र दिवस के रूप में मनाया गया। भाषण प्रतियोगिता शुरू होने से पूर्व में स्वामी विवेकानंद और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रजवलित अस्थियों द्वारा किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कोलड 40 विद्यार्थी सामिल हुए। जिला संयोजक निलेश कुमार अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय सह सनयोजक कृष्णा त्रिवेदी और गिरिडीह विभाग सह सनयोजक वीरेंद्र कराटे उपस्थित हुए। जजमेंट में रंजीत कुमार, विजय कुमार, आकाश कुमार थे। और इससे भाषण प्रतियोगिता में विजेता का रखा गया था। जिसमें 1२३ मुस्कान सिंह, 2 प्रेमलता कुमारी, ओर 3१श्र सुरज कुमार, को अतिथियों द्वारा मोमेंट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र- छात्राएं कन्हैया कुमार, मुस्कान सिंह, ज्योति सिंह, स्वीटी बरनवाल, रिचा कुमारी, सुरज कुमार, आदित्य कुमारी, राजा कुमार, मानवी कुमारी, नेहा कुमारी, चंदा रविदास, प्रेमलता कुमारी और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सतगावां के राजाबर जंगल में, पेड़ों में रक्षा सूत्र बांधा कर जंगल बचाने का लिया संकल्प



नव प्रदेश संवाददाता

सतगांवा। प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत राजाबर के ग्राम जटाडीह - फटलहिया में रविवार को कोडरमा वन प्रमंडल के द्वारा धरतीठान जंगल में रक्षा बंधन कार्यक्रम, आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने पेड़ों को राखी बांधी और पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प लिया। वन विभाग के द्वारा ग्रामीणों ने पेड़ की रक्षा करना पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से पेड़ों में रक्षा सूत्र बांधने का अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त आदित्य रंजन विशिष्ट अतिथि डीएफओ सुरज कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी बैधनाथ उरांव, रेंजर रवींद्र कुमार मुखिया गायत्री देवी सभी ने संयुक्त रूप से जंगलों के बीचो-बीच बनी बेदी पर विधि-विधान से वन देवी की पूजा-अर्चना की और ग्रामीणों के द्वारा जंगल बचाने का संकल्प लिया गया। वहीं मंच संचालित कर रहे हैं, सेवानिवृत्त शिक्षक सह वन रक्षा कार्यकर्ता सुरेंद्र जी के द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित



रखने व जंगलों की रक्षा करने का संकल्प लिया। तथा मौजूद ग्रामीणों और उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पर्यावरण को अब तक हुए नुकसान को लेकर एक मिनट का मौन भी रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोडरमा उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि धरतीठान जंगल को सुरक्षित रखना यहां के लोगों के लिए कर्तव्य है, वन की कटाई रूकेगा और अधिक से अधिक पेड़ लगें हैं तो सही समय पर वर्षा होगी जिससे आप खेती कर पाएंगी। शुद्ध हवा मिलेगा जिससे लोग स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के संकल्प के बाद निश्चित तौर पर इन जंगलों को सुरक्षित और संरक्षित किया जाएगा। साथ ही हर वर्ष 9 जुलाई को त्योहार के रूप में जंगलों में पेड़ पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षा का संकल्प लेंगे। डीएफओ सुरज कुमार सिंह ने कहा कि हम सब मिलकर जंगल को बचाना है पेड़ को बढ़ाना

है। जिस तरह रक्षाबंधन के अवसर पर भाई अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है, उसी प्रकार आज हम सब ने पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उसे बचाने का संकल्प लेना है।और इस संकल्प को हमें पूरा करना होगा और वृक्षों को बचाना होगा।वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी बैधनाथ उरांव ने कहा कि जटाड़ीह स्वावलंबन ग्राम है, और इसे पूरी तरह से स्वावलंबन बनाया जाएगा। अगर यहां के लोग दो कदम आगे बढ़ते हैं तो हम सब दस कदम आगे बढ़कर इनका सहयोग किया जाएगा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सतगावां वैधनाथ उरांव, वन क्षेत्र पदाधिकारी रविंद्र कुमार, पीएमए सदस्य धनपाल, अनुज व अन्य मौजूद रहे। एएलएसपीएस से सुशीर कुमार, पंचायत समिति सदस्य मोहम्म नईम, पूर्व मुखिया सीताराम, एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

ये हुए सम्मानित

प्रशांत कुमार, अंकित आर्यन, रौशन कुमार, रंभा कुमारी, डिंपल कुमारी, पप्पू कुमार, धीरेंद्र कुमार, अभय प्रसाद गुप्ता, खुशबू कुमारी, अमृता कुमारी, साक्षी कुमारी, अंकज कुमार, गौतम कुमार, शिवम पांडे, वंदना कुमारी, प्रियंका कुमारी, नेहा कुमारी, औसफ आलम सिद्दीकी, अर्वातिका कुमारी, अंशु कुमार, जयप्रकाश गुप्ता, रिंकी कुमारी, आकास कुमार यादव, सौरभ यादव, कशिश कुमारी, आरती कुमारी, नुशरत परवीन, सुरभि कुमारी, अनामिका कुमारी, काजल कुमारी, रत्नप्रिया कुमारी, मुकेश गुप्ता, मनीष कुमार, पप्पू यादव, बलवंत विश्वकर्मा, पवन कुमार, अनुषा कुमारी, काजल कुमारी, अभिमन्यु कुमार, बबिता कुमारी, सोनी कुमारी, अमृता कुमारी, रूमी कुमारी, प्रेम कुमार सिंह आदि प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को आचार्य सिद्धेश्वर फाउंडेशन ने समानित किया।

करंगा। आचार्य सिद्धेश्वर फाउंडेशन का यह पहल सराहनीय है। वहीं शशि कुमार ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को जीवन मे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थी जीवन मे गुरु व अभिभावक के प्रति आदर व संस्कार बेहद जरूरी है। इस अवसर पर आचार्य सिद्धेश्वर पाठक के जीवनवृत्त पुस्तिका का

विमोचन किया गया। फाउंडेशन के सचिव आलोक कुमार, कमलेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ नादिर अन्व्वास रिजवी, निरंजन प्रसाद, अविनाश कुमार सिन्हा, राजू कुमार सोनी, रविन्द्र कुमार सिंह, रोहित कुमार, जितेंद्र प्रसाद, अमन कुमार, शाम्भवी परी, वैष्णवी पीहू आदि टॉपर्स व अभिभावक मौजूद थे।

गुरु पाण्डेय के पोता के जन्मदिन में लगा जमघट

मेदिनीनगर पलामू। संस्कृति से जुड़ा सादगी पूर्ण समारोह ने बटेरी प्रशंसा, भव्यता देख लोगों ने सराहा।राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के प्रदेश संरक्षक अर्जुन पांडेय(गुरु पांडेय) के पोता के जन्मदिन में लगा जमघट पलामू प्रमंडल में काफी चर्चा में है। प्रमंडल के विभिन्न क्षेत्रों से समारोह में पहुंचे गणमान्य व्यक्तियों का जमघट राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के बड़ते विश्वास और एकजुटता का संदेश दे रहा था। जन्मोत्सव में झारखंड सरकार के पेजलल मंत्री मिथलेश ठाकुर, स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया, विश्रामपुर विधानसभा के विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, पांकी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शशीभूषण मेहता, राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी सहित लगभग सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की उपस्थिति देखी गई। वहीं प्रमंडल के बड़े व्यवसायी, समाजसेवी एवं टेकेदारों की भी काफी संख्या नजर आई। जबकि राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी से जुड़े विप्र परिवार के साथ काफी तादाद में ब्राह्मण परिवार इस समारोह की शोभा बढ़ा रहे थे। चैनपुर प्रखण्ड के ग्राम काराकाट बंदुआ में अर्जुन पांडेय के फार्म हाउस गंगा गोल्डन गार्डन में आयोजित जन्मदिन समारोह की सजावट व भव्यता देखते बन रही थी। वहीं भोजपुरी की चर्चित गायिका देवी का गायन कार्यक्रम में चार चांद लगा रहा था। जहां एक से बढ़कर राधा कृष्ण की झोंकी मुख्य आकर्षण का केंद्र बने रहे।

जनता की समस्याओं से रूबरू होने का प्रयास है पंचायत संवाद: बीनू सिंह एनसीपी ने पंचायत संवाद कार्यक्रम का किया आयोजन



आम लोगों का पार्टी से जुड़ाव हो सके। कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं। लोगों से कहा कि प्रखंड कार्यालय में विधायक प्रतिनिधि, बीस सूत्री अध्यक्ष का कक्ष है। जनता अपनी समस्या का समाधान उनके माध्यम से करा सकते हैं। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि संदीप पासवान, पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र राय, कंधा सिंह, विस सूत्री अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, हरिहरगंज विधायक प्रतिनिधि सह

मुखिया सरोज प्रसाद कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश मेहता, हरिहरगंज प्रखंड अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, हरिहरगंज पासवान, उदय कुमार सिंह, हरी भुइयां, बबलू सिंह, रामप्रसाद भुइयां, सुरेश यादव, संजय सिंह, अखिलेश राय, प्रभु राय, सुनील सिंह, कमलेश रजवार, कमलेश प्रजापति, विवेक चंद्रवंशी, सुवेदार भुइया, रामप्रवेश भुइयां, विनोद गिरी, रामजीराम आदि शामिल थे।

जयनगर थाना पैसा वसूली का बना अड्डा : आम



नव प्रदेश संवाददाता

जयनगर। आम आदमी पार्टी का बैठक बरकट्टा विधानसभा अंतर्गत जयनगर थाना व प्रखंड क्षेत्र स्थित डंडाडीह पावर हाँउस के पास किया गया। बैठक में सबसे पहले पूर्व माले नेता महेंद्र दास के निधन पर 2 मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दिया गया। बैठक जिलाध्यक्ष दामोदर यादव की अध्यक्षता में एक हुई। इस बैठक में जयनगर थाना में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ चर्चा की गयी। जिलाध्यक्ष दामोदर यादव ने आरोप लगाया कि जयनगर थाना पूरी तरह से भ्रष्टाचार में संलिप्त है एक तरह से बोला यह तो जयनगर थाना पैसा वसूली का अड्डा बन गया है । इस थाना में आवेदन देने के बाद भी एकफाईआर दर्ज नहीं किया जाता है। इससे अपराधि किस्म के लोगों का मनोबल बढ़ रहा है। दामोदर यादव ने कहा कि जब कोई पीड़ित थाना में आवेदन देने जाता है तो

उसे गाली- गलौज कर भगा दिया जाता है। बैठक में बरकट्टा विधानसभा अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने कहा कि एक सभ्य व्यक्ति समाजसेवी राजकुमार पासवान को भी जयनगर थाना प्रभारी के द्वारा जाति सूचक शब्दों से संबोधित किया गया था । थाना प्रभारी के तानाशाही रवैया को लेकर स्थानीय विधायक अभित यादव ने विधानसभा में भी आवाज उठायी थी। लेकिन इस पर अबतक कोई कार्रवाई नहीं की गयी। क्षेत्र के अनेकों समाजसेवी और जनप्रतिनिधि आरक्षी अधीक्षक से भी मिले लेकिन आज तक कोई पहल नहीं किया गया। विधानसभा अध्यक्ष यादव ने कहा कि इस मामले को लेकर एसपी कुमार गौरव को पत्र लिखा जाएगा। पत्र लिखे जाने के एक सप्ताह के अंदर अगर कोई सुनवाई नहीं हुई तो आम आदमी पार्टी द्वारा जयनगर में प्रतिवाद मार्च निकाला जायेगा।

गोहाल पंचायत भवन में जैएमएम की बैठक संपन्न



जयनगर। प्रखंड के गोहाल पंचायत भवन में जैएमएम प्रखंड अध्यक्ष अशोक सिंह के अध्यक्षता में बैठक किया गया। जिसमें निर्णय लिया गया कि 15 दिनों के अंदर जनयनगर प्रखंड के सभी पंचायत में पंचायत कमेटी एवं बृथ कमेटी का गठन किया जाएगा। साथ ही सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। जो समय इस प्रकार निश्चित किया गया है। 12 जुलाई को डंडाडीह पंचायत, 15 जुलाई को जयनगर पश्चिमी, 19 जुलाई को गोहाल पंचायत, 22 जुलाई को जयनगर पूर्वी, 23 जुलाई को बेको पंचायत का गठन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से 20 सूत्री अध्यक्ष इस्लाम अंसारी, संदीप कुमार पांडेय, विनय राणा, बैजनाथ यादव, रामेश्वर प्रसाद यादव, अनिल राम, चन्दन पांडेय, वीरेंद्र पांडेय, पप्पू रजक सहित कई लोग मौजूद थे।

टीएसपीसी के जौनल कमांडर गिरफ्तार

लेस्लीगंज पलामू । चतरा पुलिस और टीएसपीसी का जौनल कमांडर आक्रमण जी के दस्ते के मुद्देबुड के बाद गुप्त सूचना मिला था कि जौनल कमांडर और उनके दस्ते का सदस्यो का ग्राम यम में छिपे रहने और टीएसपीसी संगठन के प्रचार प्रसार करने के उद्देश्य से आए हुए हैं उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक सतर्कता मुलक कार्रवाई हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए शनिवार को समय करीब 4:30 बजे मनातू थाना सशस्त्र बल के साथ ग्राम नागद के लिए प्रस्थान किया ग्राम नागद पहुंचने के पश्चात आसपास के जंगली क्षेत्रों में सर्व अभियान शुरू किया सर्व अभियान के क्रम में विश्णु एवं विश्वासपात्र गुप्तचर के द्वारा सूचना प्राप्त हुआ कि टीएसपीसी समर्थक बसंत सिंह पिता विष्णु सिंह ग्राम नागद थाना मनातू ने पूछ ताछ में कहा कि टीएसपीसी के जौनल कमांडर आक्रमण गंजु उर्फ रविंद्र गंजु पिता जोगा सिंह ग्राम नागद थाना मनातू को काउंटर से भगाने के क्रम में सुखबलबों से बचाव करने के लिए अपने मोटरसाइकिल पर बैठा कर दूसरे सुस्थित जगह कोहबरिया के जंगल में छोड़कर मोटरसाइकिल अपना घर पर खड़ा कर पुलिस बल को रस्की कर रहा था साथ ही बताया कि आक्रमण जी भागने के क्रम में मुझे एक बैग दिए वहीं अपने ही गांव के मिथलेश भुइयां पिता सूरजदेव भुइयां को बैग छुपाने के लिए दे दिया जिसके आधार पर मिथिलेश भैया के घर पर विधिवत छापामारी किया गया जिसके बाद मिथिलेश भुइयां के द्वारा बताया गया कि मकई के बुना हुआ खेत में गाड़ दिया गया है । जिसके निशानदेही पर आक्रमण जी का बैग को बरामद किया गया जिसके बाद टीएसपीसी संगठन के जौनल कमांडर आक्रमण जी उर्फ रविंद्र गंजु पिता जुगा सिंह, मिथिलेश भुइयां, बसंत सिंह पिता विष्णु सिंह तोना ग्राम नागद थाना मनातू जिला पलामू के विचंद्र कांड दर्ज कर कांड में गिरफ्तार बसंत सिंह पिता विष्णु सिंह मिथिलेश भुइयां पिता सूरजदेव भुइयां और 8/7/2023 को वरीय पदाधिकारी के गुप्त सूचना के आधार पर सर्व अभियान के क्रम में मनातू थाना कांड संख्या53/2021 के प्राथमिकी अभिवृत्त टीएसपीसी के सदस्य संतोष भुइया पिता प्यारी भुइयां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया जिसकी सूचना लेस्लीगंज एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने प्रेस वार्ता कर दी

इन्दर सिंह नामधारी लिखित आत्मकथा 'एक सिख नेता की दास्तान' का हुआ लोकार्पण

मेदिनीनगर पलामू/मेदिनीनगर स्थित चंद्र रसोईजी । पुस्तक लेखक के प्रथम अध्यक्ष लिखित 'एक सिख नेता की दास्तान' का लोकार्पण हुआ। प्रोफेसर सुभाष चन्द्र मिश्रा के मुख्य अतिथित्व एवं अधिवक्ता अखिलेश्वर प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में डा.आर.पी.सिन्हा,प्रेम भसीन, अजित सिंह नामधारी, अश्लेश पाण्डेय, डॉ.जी.एन.खान, बलिराम शर्मा ने संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। संवर्धन कवि राकेश कुमार ने किया। स्वागत भाषण कवि अनुज कुमार पाठक ने दिया। पुस्तक लेखक विश्वक परशुम तिवारी द्वारा कराया गया। वहीं सरस्वती वंदना व गुरु गोविंद सिंह स्मरण कवि रामप्रवेश पंडित ने किया। साहित्यकारों, प्रबुद्धजनों व सुधी जनों से खवाख्तर भरी समारोह की संबोधित करते हुए आत्मकथा के लेखक इन्द्र सिंह नामधारी ने कहा कि इसके पहले जमशेदपुर में पुस्तक गोष्ठी करने का ऐतिहासिक कारण है।



महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मूकण्ड ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मूकण्ड को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मूकण्ड को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मूकण्ड विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मूकण्ड को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मूकण्ड दुखी हो गए, यह देख जब उनकी पत्नी ने दुःख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि

मूकण्ड ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगे तो इसे टाल देंगे। माता-पिता के दुःख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ॐ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।

उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्

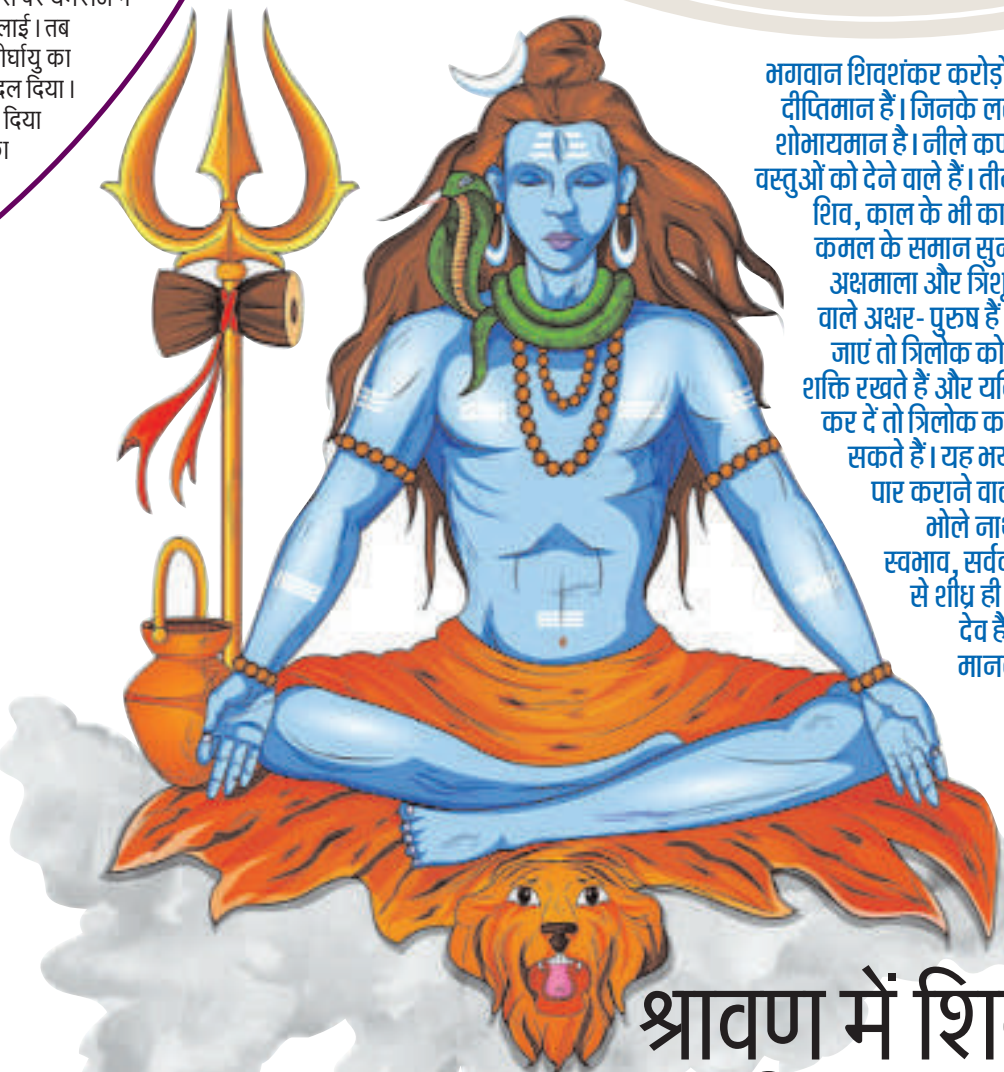
समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए, पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए।

ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहाँ जानिए.

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

- गाय का- गुह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगन्धित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।



भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अश्वर- पुरुष हैं। यदि कोधित हो जाए तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव वया दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुह मांगा वरदान देने में पीछे नहीं हटते हैं।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवधन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास में कथा भागवत और अनभिगत उत्सव मनाये जाते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावण सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता हैं जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अतः सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्व है। अतः इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रातः गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि घोडशोषचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान् ब्राह्मण से

रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावण मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएँ जरूरी बातें -

- श्रावण मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें। (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचने के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नमः शिवाय, का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं। शिव को सामान्यतः गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनवाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

- झमरती •खीर •मावा लड्डू •झायफ्रूट्स
- रबड़ी •मालपुर् •खोपरापाक
- बूंदी के लड्डू •बाफी •बैसन के व्यंजन
- कलाकंद •मैसूर पाक •रसमलाई
- भेड़ा •धेवर •संतु की मिठाई •हलवा
- पेठा •गुलाब जामुन •जलेबी •रसगुल्ला।

इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुप, बूंदी आदि।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शिव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रूलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात् सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात् पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात् संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात् जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो ऋमश- गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वतः प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिये है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,



भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिव्राजक है अर्थात् जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घुमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।



- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरें लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहाँ पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुनः शिव को पाने के लिए धोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहाँ पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात् लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात् लक्ष्मीजी का वास

- पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी

का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।

- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोड़ना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्लिम्ने च कवचिने च नमो वरुम्मिणे च वरुथिने च।
नमः श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय च हनन्त्याय च नमो घृष्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनं पापनाशनम्। अघोरं पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम्।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम्। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम्।
अखण्डं बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम्। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम्।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुष्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।



विश्व युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप में बेगूसराय के प्रियांश ने जीता स्वर्ण पदक



बेगूसराय (हि.स.) आयरलैंड में तीन से नौ जुलाई तक आयोजित विश्व युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप की जुनियर मिश्रित दल कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर बेगूसराय के लाल सर्वोदय नगर निवासी प्रियांश ने भारत की प्रतिभा परचम लहरा दिया है। स्वर्ण पदक प्राप्त प्रियांश ने अपने बेगूसराय जिला और बिहार ही भारत के खेल के क्षेत्र में बढ़ते कदम को गौरवान्वित किया है। प्रियांश की इस उपलब्धि से बेगूसराय में उत्तम का माहौल है। स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित खेल प्रेमी सहित तमाम लोग बधाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रियांश एवं अवन्ती कोर की भारतीय जोड़ी ने आयरलैंड में विश्व युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप की जुनियर मिश्रित दल कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। आयरलैंड के लिमेंरिक में इस भारतीय जोड़ी ने फाइनल में इस्त्राएल को हराया। दोनों देशों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने इस्त्राएल को 144 के मुकाबले 146 अंकों से हराया। प्रियांश ने एकल एवं मिक्स डबल अवन्ती कोर के साथ दोनों में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, भारत के मानव जाधव और ऐश्वर्या शर्मा की जोड़ी ने केट्टल मिस्कड तीरंदाज स्पर्धा में मैक्सिको को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। बधाई देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने कहा है कि बेगूसराय के गौरवशाली खेल परम्परा को आगे बढ़ाते हुए विश्व शिखर पर चमकता सितारा बनकर प्रियांश ने अपना नाम दर्ज कर लिया। तीरंदाजी के विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीत कर भारत और बेगूसराय का गौरव बढ़ाया, यह उनका दूसरा स्वर्ण पदक है।

भारतीय गोलकीपरों के लिए आयोजित होंगे दो विशेष शिविर



नई दिल्ली(हि.स.)। नीदरलैंड के जाने-माने हॉकी गोलकीर्षिण कोच डेनिस वान दे पोel भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीर्षों के लिए दो विशेष शिखर आयोजित करने वाले हैं। हॉकी इंडिया ने रविवार को यह जानकारी दी।

हॉकी इंडिया ने बताया कि भारतीय टीम के साथ डेनिस वान दे पोel का पहला शिखर 13 जुलाई को शुरू होगा और 19 जुलाई को समाप्त होगा।

इसके बाद चीन के हांगझोउ में आयोजित होने वाले एशियाई ओलम्पिक्स 2023 से पहले डेनिस एवरेट सिन्धु तट पर 14 सितंबर तक एक और प्रशिक्षण शिविर के लिए भारत लौटेंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में एक सप्ताह तक चलने वाले शिविर के दौरान विशेष सत्र में भाग लेगी, जिसकी देखरेख भारतीय शिल्प टीम के मुख्य कोच क्रैग फुल्टन करेंगे। शिविर में

भारतीय महिला टीम ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया



ढाका (हि.स.) । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकामबले में बांग्लादेश टीम को सात विकेट से हरा दिया है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में खेले गए मुकामबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर कुल 114 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 16.2 ओवर में तीन विकेट पर 118 रन बनाकर मुकामबला अपने नाम कर लिया।

क्रिकेट के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 35 गेंदों में दो छक्के और छह चौकों की मदद से 54 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है। दोनों

टीमों के बीच अब दूसरा टी-20 मुकाबला 11 जुलाई को शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में ही खेला जाएगा। बांग्लादेश से मिले 115 रन को छोटे लक्ष्य का पाछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सालामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा खाता खोले बिना पहले ही ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट हो गईं। शेफाली के बावजूद बल्लेबाजी के लिए आई जेमिमा रॉड्रिग्स भी कुछ खास नहीं कर सकीं। वह 11 रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना ने कप्तान हरमनप्रीत के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 70 रन की सझेदारी कर डाली। मंधाना 34 गेंदों में पांच चौके की मदद से 38 रन की पारी खेलकर आउट हुईं। अंत में

कप्तान हरमनप्रीत ने यस्तिका भाटिया के साथ मिलकर टीम को जीता दिला दी। हरमनप्रीत 54 रन बनाकर नाबाद रहें, जबकि यस्तिका नौ रन बनाकर नाबाद रहें। बांग्लादेश की ओर से सुलतान खानु नू ने 2 विकेट और मारुफ अख्तर ने एक विकेट लिए। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 114 रन बनाए। टीम की ओर से शोनी अख्तर ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। शोनी के अलावा शोभन मोस्तरी ने 23 रन, शायी राही ने 22 रन, शमीमा सुलतान ने 17 रन का योगदान दिया। भारतीय टीम की ओर पूजा वस्राकर, मिन्नीमानी और शेफाली वर्मा को एक-एक विकेट मिला।

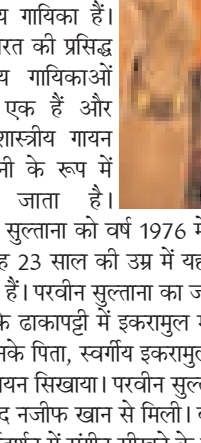
जयपुर में इूरंड कप 'ट्रॉफी टूर' को हरी झंडी दिखाई गई



ड्रूड ट्रॉफी प्राप्त करके मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। सशस्त्र बलों की ओर से भारतीय सेना इस प्रतिष्ठित ट्रान्मैट आयोजन कर रही है। नेपाल भूटान और बांग्लादेश के ट्रान्मैट में भाग लेने से यह लाइसेंस ट्रान्मैट में और अधिक बढ़ा होने के लिए तैयार है।" उन्होंने कहा कि भारतीय सेना खिलाड़ियों को सहायता कर रही है और बदले में खिलाड़ियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। राजस्थान राज्य खेलों में अग्रणी रहा है और आरयूएफसी की शुरुआत के साथ, बहुत जल्द राज्य फुटबॉल में भी नए उपलब्धियाँ हासिल करेगा। उन्होंने ट्रान्मैट की शानदार सफलता की कामना की। पैरो ऑफ से पूरे ड्रूड कप ट्रॉफियों का अनावरण किया गया। समारोह की शुरुआत में कर्नल नवीनतम स्थिआन द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से ड्रूड कप के बारे में जानकारी दी गई। समारोह में राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा, हृदय सहै है कि क्रिकेट जैसे दूसरे अन्य खेलों की तुलना में राज्य

में लोग फुटबॉल के बारे में इतना जागरूक नहीं हैं। अब राज्य सरकार ने विद्याधर नगर स्टेडियम को सिर्फ फुटबॉल के लिए समर्पित कर दिया है। हमारा प्रवास है कि सभी खेलों को बढ़ावा मिले जहाँ वह खो-खो हो, कबड्डी हो या फुटबॉल ही क्यों ना हो।" इस अवसर पर इंडियन ऑलराउंड कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सीएसएए कमेटी के स्वतंत्र निदेशक अकथेश डॉ. आशुतोष पंत राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब (आरयूएफसी) के चेयरमैन कृष्ण कुमार टाक ने भी अपने विचार रखे। इनके अतिरिक्त आरयूएफसी के फाउंडेशन डायरेक्टर्स एवं पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉलर सरोज मिश्रा और कमल सिंह राजा, गिरीश राठौड़ एवं स्वप्निल ढाक उपस्थित के अलावा खेल फुटबॉल प्रेमी, कई प्रतिष्ठित युवक हस्तियों के साथ-साथ आमीन पब्लिक स्कूल, केवी नंबर 2 और केवी नंबर 4 के छात्रों और आरयूएफसी के डेवटेड स्टाफ रहें। आरयूएफसी के संस्थापक

जन्मदिन 10 जुलाई पर विशेष : शास्त्रीय गायन की रानी हैं बेगम परवीन सुल्ताना



तुंबई/ बेगम परवीन सुलताना पटियाला घराने की एक प्रसिद्ध असमिया हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका हैं। वह भारत की प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिकाओं में से एक हैं और उन्हें शास्त्रीय गायन की रानी के रूप में जाना जाता है।

परवीन सुलताना को वर्ष 1976 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह 23 साल की उम्र में यह पुरस्कार पाने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं। परवीन सुलताना का जन्म 10 जुलाई 1950 में असम के नागांव शहर के ढाकापट्टी में इकरामुल माजिद और मुरादा माजिद के घर हुआ है। उनके पिता, स्वर्गीय इकरामुल माजिद उनके पहले गुरु थे और उन्होंने उन्हें गायन सिखाया। परवीन सुलताना को शुरूआती तालीम भी अपने दादा मोहम्मद नजीफ खान से मिली। बाद में वह स्वर्गीय पंडित चिन्मय लाहिड़ी के मार्गदर्शन में संगीत सीखने के लिए कोलकाता चली गईं और वर्ष 1973 से वह पटियाला घराने के उस्ताद दिलशाद खान की शिष्या बन गईं। परवीन सुलताना की शादी उस्ताद दिलशाद खान से हुई और उनकी एक बेटी है।

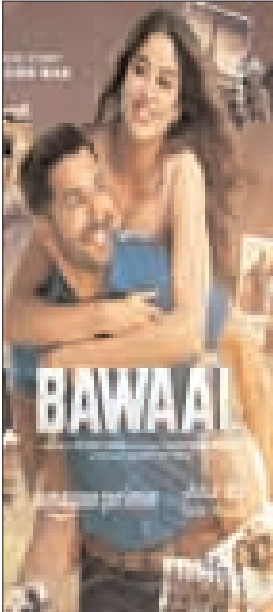
परवीन सुलताना ने अपना पहला स्टेज प्रदर्शन वर्ष 1962 में दिया था, जब वह केवल 12 वर्ष की थीं और 1965 से संगीत रिकॉर्ड कर रही हैं। उन्होंने गदर, कुदुरत, दो बूंद पाँय और पाकौजा जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाया है। हाल ही में उन्होंने विक्रम भट्ट की फिल्म 1920 का थीम सॉन्ग गाया है। परवीन सुलताना ने पचप्पमवी, पॉलीडोर, म्यूजिक इंडिया, भारत रिकॉर्ड्स, ऑक्विडिस, मैमनासाउंड, सोनोडिस्क और एमर्गो के लिए संगीत रिकॉर्ड किए हैं। परवीन सुलताना ने आर डी जेम्स, नौशाद, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल और शकर जयकिशन जैसे कई संगीतकारों के साथ काम किया है। परवीन सुलताना ने अपने पफ के साथ अमेरिका, फ्रांस, रूस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, तुंबई, अफगानिस्तान सहित देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों में दौरा और प्रदर्शन किया है। उन्होंने मुंबई में "गन रंगा संगीत सभा" नाम से एक संस्थान शुरू किया है। वह फिलहाल मुंबई में रहती हैं। सुलताना को वर्ष 1986 में मिर्जा तानसेन पुरस्कार, वर्ष 1994 में असम सरकार ने संगीत साम्राज्ञी पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा वर्ष 1981 में "हमें तुमसे प्यार कितना" गीत के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायक पुरस्कार, उन्हें वर्ष 1999 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, वर्ष 1972 में क्लियरपेट्ट ऑफ म्यूजिक पुरस्कार और असम सरकार से श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार भी मिला।



मुंबई/ रोमांटिक फिल्म 'बवाल' के ग्लोबल प्रीमियर की ओर पहला कदम बढ़ाते हुए रविवार को इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च कर दिया गया। इस फिल्म का 21 जुलाई को एस्कॉकुसिव प्रीमियर होगा। इस कहानी को पूरी दुनिया के सामने पेश करने के लिए फिल्म के सभी कलाकार और निमाता एमिरेट्स के बेहद लोकप्रिय राजधानी शहर में मौजूद थे।

वर्णन और जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिका वाली इस सदाबहार प्रेम-कहानी का निर्देशन बेहद मशहूर और विजनरी डायरेक्टर नितेश तिवारी ने किया है, जिसे साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेन्मेंट ने अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी की

अर्थकाई पिक्नर्स के साथ मिलकर प्रोड्यूसर की है।
फिल्म 'बवाल' की कहानी हाई स्कूल में इतिहास पढ़ाने वाले एक साधारण शिक्षक, अजय दीक्षित के इर्द-गिर्द घूमती है, जो काफी मशहूर है और लोग उन्हें अज्जू बैया के नाम से भी जानते हैं। उसने इस शहर में लोगों के बीच अपनी झूठी छवि बनाई है और इसी वजह से सहज बर्बाद के लोगों के लिए किसी सल्लिब्रिटी से कम नहीं है। हालातों की वजह से मजबूर होकर उसे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान यूरोप के समुद्र पर निकलना पड़ता है और न चाहते हुए भी उसे अपनी नई-नवेली पत्नी 'निशा' को साथ ले जाना पड़ता है, जिसके साथ उसका रिश्ता बहुत तनावपूर्ण हो जाता है। इससे बच होने वाली घटनाओं का



सिलसिला उनकी शादी को कसौटी पर पखता है और वह सबसे बड़ी लड़ाई-यानी अपने भीतर चल रहे संघर्ष का सामना करने के लिए मजबूर हो जाता है। देश और दुनिया के कई लोकेशन पर फिल्मवाई गई इस प्रेम-कहानी का संदेश काफी मायने रखता है, जो निश्चित तौर पर दुनिया भर के दर्शकों को प्रसन्न आएगा।

वरुण धवन ने कहा, 'रसच कहूँ तो "बवाल" का सफर मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है और यह मेरे करियर में एक बड़ी उपलब्धि है। सोमा ही वह मेरे लिए सबसे रोमांचक और बेहद फायदेमंद रही है। अज्यू अपने शहर में मशहूर है, इसके बावजूद वह लगता ऐसे हालातों से जूझ रहा है जिस पर उसका कोई जोर नहीं है।

इस किरदार को बड़ी बारीकी से
 तैयार किया गया है, जिसके भीतर
 और चारों ओर सचमुच बवाल
 दिखाई देता है, और इसी वजह से
 यह किरदार हमेशा मेरे दिल के
 करीब रहेगा। मुझे अब उस लम्बे
 का बेस्त्री से इंतजार है, जहाँ
 दुनियाभर के दर्शन अजुज और
 निशा की बिल्कुल अलग, लेकिन
 बेहद खूबसूरत रोमांटिक कहानी
 को देखेंगे और उस महसूस करेंगे
 दुर्दुर्लभ दिल पर जैसा ही है।
 और मेरे ख्याल से भारत को दिल
 में संजोने वाली इस ग्लोबल
 फिल्म के प्रमोशनर शुक्रआरा
 के लिए इससे बेहतर जगह कोई
 और नहीं हो सकती।
 इस बारे में जाह्नवी कपूर ने कहा
 कि एक्टर होने के नाते हम ऐसे
 भूमिकाएँ निभाते हैं, जो या तो

हमारे लिए बनी होती हैं, या जिन्हें हम अपना लेते हैं। शायद ही कभी हमें इतनी शानदार भूमिका निभायी है। कौन मिलाता है, जिसमें एक अभिनेता को अपनी काबिलियत दिखाने के लिए बहुत कुछ होना पड़े। उस अनेखी रोमांटिक कहानी में निशा एक साधारण-सी लड़कन है, जिसके दिल में कई अरमान हैं और सपने हैं, लेकिन वह इतनी प्यारी है कि वह आपको हर उस जज्बात को महसूस करने पर मजबूर कर देती है, जिसे वह अनुभव कर रही है। फिल बवाल में निशा एक ऐसे सफ़र पर है, जो आपको उसके जिंदगी, उसके प्यार और इस दौरान सामने आने वाली हर चीज का दिल से एहसास करने पर मजबूर कर देगी।

काजोल ने देश के राजनीतिक नेताओं को लेकर दिया बड़ा बयान



कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल् किया है। इस बीच काजोल वेब सीरीज द ट्रायल द गुड वाइफ का हिंदी वर्जन है। वह जिशु सेनगुप्ता के पति की भूमिका निभा रही हैं।

काजोल बॉलीवुड की न अभिनेत्रियों में से एक हैं जिन्होंने 90 के दशक में अपने अभिनय और खुबसूरती से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। काजोल ने कुछ कुछ होना है, कभी-कभी खुशी कभी गम, दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे, इश्क जैसी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता। काजोल आज भी फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। फिलहाल काजोल वेब सीरीज द ट्रायल को लेकर मुश्किलों में हैं, लेकिन हाल ही में काजोल ने देश के राजनीतिक नेताओं को लेकर एक बयान दिया है। काजोल फिलहाल वेब सीरीज द ट्रायल के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में देश में राजनीतिक नेताओं की शिक्षा पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, देश में ऐसे राजनीतिक नेता हैं जिनके पास कोई शिक्षा नहीं है। भारत में परिवर्तन बहुत धीमी गति से हो रहा है, क्योंकि हम अपनी परंपराओं, सोच में फंसे हुए हैं और इसका संबंध निश्चित रूप से शिक्षा से है। हमारे पास ऐसे राजनीतिक नेता हैं जिनकी कोई शैक्षिक पृष्ठभूमि नहीं है। मुझे खेद है, लेकिन मैं थोड़ा ऐसा जाकर यह बात फिर से कहने जा रहा हूँ। राजनेता देश पर शासन करते हैं, लेकिन इनमें से कई नेता ऐसे हैं जिनके पास सही वेब्या भी नहीं है और यह केवल शिक्षा के माध्यम से आता है। काजोल के इस बयान के बाद उनकी आलोचना हो रही है। इस बयान को लेकर काजोल ने द ट्रायल से ओटीडी सेक्टर में डेब्यू कर रही हैं। यह वेबसीरीज अमेरिकी कोर्टरूम ड्रामा श्रृंखला की भूमिका निभाती नजर आएंगी। यह वेब सीरीज 14 जुलाई को रिलीज होगी।

रितेश और शिवानी का नया गीत 'आम सासाराम में जाई

पटना। रितेश पांडे और शिवानी सिंह का जबरदस्त भोजपुरी सांग ह्वाम सासाराम में जाई वर्ल्डवाइड रिकार्डर्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इसे दर्शकों ने हाथोंहाथ लिया है। वहीं इस सांग में भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री नीतू यादव ने परफॉर्म किया है। वे रितेश पांडे के साथ कदम से कदम मिलाकर अपनी कतिलाना अदाओं का जादू चला रही हैं। इस गाने में नीतू यादव और रितेश पांडे के बीच की केमेस्ट्री जबरदस्त लग रही है। वर्ल्डवाइड रिकार्डर्स प्रस्तुत 'आम सासाराम में जाई' गाने को रितेश पांडे और शिवानी सिंह ने मिलकर गाया है, जबकि इसमें अशुतोष तिवारी भी लिखा है। इसका म्यूजिक प्रियांशु सिंह ने दिया है। गाने का निर्माण निमत रत्नाकर कुमार और इसका निर्माण गोलडी जैसवाल ने किया है। इसका रिलीज क्लिप लोडन और कैमरा सुनील बाबू, ज़िनेश यादव,, कोरियोग्राफर विकास ज्यन, एडिट पप्पु वर्मा और डीआई रोहित ने किया है।



(शेयर बाजार समीक्षा) कंपनियों के तिमाही नतीजे, आईआईपी के आंकड़े तय करेंगे बाजार की दिशा

- वैश्विक कारक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी

(एजेंसी), मुंबई ।	
कमजोर वैश्विक रुझान के बीच बोते सप्ताह के ओ खिरी दिन हुई मुनाफावसूली के दबाव में रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसलने के बावजूद आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहे घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा विप्रो के तिमाही नतीजों के साथ घरेलू मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों	

पेट्रोल और डीजल की कीमत कई शहरों में बढ़ी	
- ब्रेंट क्रूड 78.47 डॉलर प्रति बैरल	

(एजेंसी), नई दिल्ली ।	
-----------------------	--

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.86 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है, वहीं ब्रेंट क्रूड 78.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। म्हाराष्ट्र में पेट्रोल 57 पैसे और डीजल 54 पैसे महंगा हुआ है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और

निगाह अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़ों तथा कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही निवेशक शुक्रवार को आने वाले जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे। सप्ताह के दौरान फेडरल बैंक, बंधन बैंक और जेएसडब्ल्यू एनजी भी अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी।

इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की वजह से इस सप्ताह शेयर आधारित गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

खेमका ने कहा कि टीसीएस और एचसीएल टेक के तिमाही नतीजे बुधवार को आएंगे। उसके बाद गुरुवार को विप्रो जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। ऐसे में प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर सभी की निगाह रहेगी।	
वैश्विक और घरेलू संकेतक, भारत के मुद्रास्फीति और आईआईपी के आंकड़े, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का रुख आगामी दिनों में बाजार की दिशा तय करेगा।	

जीएसटी में गड़बड़ी करने वालों पर अब ईडी करेगी कार्रवाई

नई दिल्ली । सरकार ने जीएसटी में चोरी को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। अब सरकार ने गुप्त एंड सर्विसेट टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) को पीएमएलए के तहत लाने का फैसला किया है, जिसके लिए अधिसूचना जारी की गई है। इसका मतलब है कि अब जीएसटी से जुड़े मामलों में ईडी सीधा दखल दे सकेगी। ईडी जीएसटी चोरी करने वाली फर्म, व्यापारी या संस्था के खिलाफ सीधे कार्रवाई कर सकेगी। इनडायरेक्ट टैक्स और कस्टम टैक्स चोरी को रोकने के लिए सरकार की ओर से एक और

अडानी ग्रुप रेलवे टिकट बुक करने के कारोबार में प्रवेश करेगा	
- ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी	

नई दिल्ली । अब अडानी ग्रुप रेलवे टिकट बुक करने के कारोबार में भी प्रवेश करने जा रहा है। दरअसल अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने रेलवे टिकट बुकिंग से जुड़ी कंपनी स्टार्ट एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) की लगभग 30 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। एसईपीएल रेलवे टिकट की ऑनलाइन बुकिंग करने वाले मंच ट्रेनमैन की संचालक कंपनी है। एसईपीएल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 4.51 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछले महीने एसईपीएल की समूची हिस्सेदारी खरीदने के लिए समझौता करने की घोषणा की थी। अडानी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुपगोी अडानी डिजिटल लैक्स प्राइवेट लिमिटेड ने 3.56 करोड़ रुपए में 29.81 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। हालांकि अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछले महीने एसईपीएल का जिक्र ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग और सूचना मंच के रूप में किया था लेकिन अब उसने इसे ई-कॉमर्स और वेबसाइट विकास से संबंधित कंपनी बताया। अडानी समूह के रेल टिकट कारोबार से जुड़ने की घोषणा पर पिछले महीने काग्रिस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि अडानी के ट्रेनमैन प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण करने से अंततः भारतीय रेलवे की टिकटिंग यूनिट आईआरसीटीसी के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो सकता है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि भारतीय रेलवे में रोजना करीब 14.5 लाख आरक्षित टिकट बुक किए जाते हैं। इनमें से लगभग 81 फीसदी टिकटों की बुकिंग ऑनलाइन होती है और आईआरसीटीसी के जरिए ही बुक किए जाते हैं।

एफपीआई ने जुलाई में अब तक शेयरों में 22,000 करोड़ का निवेश किया

- जून में एफपीआई का निवेश 47,148 करोड़ रुपए रहा था

(एजेंसी),नई दिल्ली ।	
अनिश्चित वृहद वैश्विक परिदृश्य के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 22,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। एक मुख्य निवेश रणनीतिकार ने कहा कि अगर यह रुख जारी रहती है, तो जुलाई में एफपीआई का निवेश मई और जून से अधिक हो जाएगा। मई में एफपीआई का शेयरों में निवेश 43,838 करोड़ रुपए और जून में 47,148 करोड़ रुपए रहा था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई मार्च से लगातार भारतीय शेयर बाजार में लिवाल रहे हैं।	

FPI	
इस महीने सात जुलाई तक उन्होंने शेयरों में 21,944 करोड़ रुपए डाले हैं। मार्च से पहले विदेशी निवेशकों ने जनवरी और फरवरी में शेयरों से कुल मिलाकर 34,626 करोड़ रुपए निकाले था। कोटक सिक्वोरिटीज के इकट्री शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि भारत का अन्य देशों की तुलना में अधिक वृद्धि के अनुकूल बाजार के रूप में उभरना विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा रहा है। उनका कहना है कि एफपीआई की लिवाली को मुख्य वजह यह है कि अनिश्चित वृहद वैश्विक रुख के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू बनी हुई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती के कारण भी एफपीआई भारत में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। एफपीआई	



ईपीएस में ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने के रह गए केवल दो दिन

- आवेदन करने की आखिरी तारीख 11 जुलाई

(एजेंसी), नई दिल्ली ।	
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की इंस्लाइज पेंशन स्कीम (ईपीएस) के तहत ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की तारिख बहुत नजदीक आ गई है। आपके पास इस स्कीम में आवेदन करने के लिए अब केवल 2 ही दिन का समय शेष रह गया है। बता दें कि ईपीएस के तहत ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की ओ खिरी तारीख 11 जुलाई 2023 तय की गई है। कई मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक, बहुत से लोग स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे थे और कई तरह के ग्लिच से जूझ रहे थे। इन समस्याओं को देखते हुए श्रम मंत्रालय और ईपीएफओ ने 26 जून को ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की डेडलाइन 11 जुलाई तक बढ़ाने का फैसला किया। जिन नियोक्ताओं को वेतन विवरण वेरिफाई करने की आवश्यकता है, उन्हें प्रक्रिया पूरी करने के लिए और तीन महीने का समय दिया गया है। ईपीएफओ की तरफ से पहले ही दो बार ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की डेडलाइन को आगे बढ़ाया गया है।	

62 साल पहले वेस्पा स्कूटर की कीमत 2243 रुपये	
मुंबई । दशकों से बाजाज का ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में जलवा रहा है। इसके मॉडल्स को लोगों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। हालांकि कि कंपनी के द्वारा कई पुराने मॉडल्स को बंद भी कर दिया गया है लेकिन आज भी ये लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। हाल ही में 1961 में बिकने वाले वेस्पा स्कूटर के बिल की एक तस्वीर सामने आई है। सन 1961 में वेस्पा स्कूटर को एक्स्साइज ड्यूटी के बाद 2129 रुपये में बेचा जाता था, इस कीमत को देख हर कोई हैरान है। इस तस्वीर में लिखा है कि इस कीमत में ये स्कूटर नवंबर 1961 में बेचा जाता था। 2129 रुपये की कीमत के अलावा अगर कोई ग्राहक अलग से टायर, ट्यूब आदि लेता था, तब 78 रुपये का खर्च आता था और प्लेन सीट के लिए 36 रुपये चार्ज किए जाते थे। इसका मतलब आज से लगभग 62 साल पहले वेस्पा स्कूटर 2243 रुपये की कीमत में ग्राहकों को मिल जाता था।	

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.19 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी रही

(एजेंसी), नई दिल्ली ।	
बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 1,19,763.25 करोड़ रुपए बढ़ गया है। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 57,338.56 करोड़ रुपए बढ़कर 17,83,043.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 21,291.04 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,82,602.46 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 18,697.06 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,29,898.83 करोड़ रुपए और	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की 9,220.81 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 12,16,890.72 करोड़ रुपए रही। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,998.26 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,62,702.30 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने सप्ताह के दौरान 4,217.52 करोड़ रुपए जोड़े और उसकी बाजार हैसियत बढ़कर 6,33,532.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 22,926.37 करोड़ रुपए घटकर 9,28,657.99 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी के मूल्यांकन में 9,782.7 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,12,585.94 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल की

डिजिटल अर्थव्यवस्था के आंकार का पता लगाने एजेंसी नियुक्त करेगी सरकार

(एजेंसी), नई दिल्ली ।

सरकार डिजिटल अर्थव्यवस्था के वास्तविक आकार का पता लगाने के लिए एक एजेंसी नियुक्त करने की योजना बना रही है। एक आधिकारिक दस्तावेज से यह जानकारी मिली है। डिजिटल अर्थव्यवस्था का आकार 2025 में 1,000 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। इस कार्य के लिए नियुक्त एजेंसी का कार्यकाल नौ माह का होगा। एजेंसी को चयन की तारीख से 32 सप्ताह के भीतर चालू वित्त वर्ष से 2029-30 तक डिजिटल अर्थव्यवस्था के आकार और अनुमान पर रिपोर्ट का मसौदा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेडटी) को सौंपना होगा। दस्तावेज में कहा गया है कि अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) का उद्देश्य भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का आकलन और मापन है। इसमें माप ढांचा तैयार करना, आंकड़े जुटाना और डिजिटल बदलाव की पहचान करना शामिल है। रिपोर्ट राज्यों की रैंकिंग और डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनकी हिस्सेदारी के साथ-साथ ऐसी अर्थव्यवस्था पर ई-कॉमर्स और उभरती प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर भी गौर करेगी। सरकारी और निजी या सामाजिक क्षेत्रों के बीच सहयोग के साथ टीम इंडिया की भावना से सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है।

टमाटर की कीमतों पर अभी नहीं लगेगी लगाम, और महंगा होगा

- खुदरा बाजार में 160 से 180 रुपए किलो

तक पहुंच चुकी कीमतें

(एजेंसी), नई दिल्ली ।	
पिछले करीब एक महीने से बढ़ रही टमाटर की कीमतों पर अभी ब्रेक लगता भी नजर नहीं आ रहा है। खुदरा बाजार में 160 से 180 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी कीमतों की वजह से यह बहुत से लोगों की थाली से भी गायब हो गया है। वहीं टमाटर के थोक े यापारियों की मानें तो आने वाले कुछ दिनों में अभी टमाटर के दामों में उछल जारी रहने वाला है। फिलहाल लोगों को बिना टमाटर के ही खाना बनाने की आदत डालनी होगी। बता दें कि पिछले साल भी टमाटर के दाम काफी ऊपर गए थे। हालांकि उस दौरान टमाटर फुटकर में 100 रुपए तक पहुंचा था। जून के महीने में बारिश के चलते पिछले साल टमाटर की फसल खराब हो गई थी और जुलाई तक थोक मंडियों में टमाटर के भाव 40-60 रुपए प्रति किलोग्राम जबकि फुटकर में करीब 80 से 100 रुपए प्रति किलो की दर से बेचे गए थे। हालांकि इस बार टमाटर बहुत ज्यादा महंगा हो गया है। दिल्ली की आजादपुर मंडी में टमाटर के एक थोक आढ़ती बताते हैं कि करीब छह महीने पहले से पूरे देशभर में टमाटर की कीमत सामान्य थी। एक महीने पहले तक थोक में इंदौर, गुजरात और हरियाणा से आने वाले टमाटर की कीमत 3 से 7 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच थी जबकि किसान की लागत इससे कहीं ज्यादा आ रही थी। ऐसे में कई जगहों पर किसानों ने टमाटर की फसल को खेतों में ही छोड़ दिया। कम कीमत की वजह से अगली फसल में टमाटर की बुवाई भी नहीं की, कुछ बारिश की मार भी पड़ गई। जिसकी वजह से पिछले एक महीने में जो भी टमाटर का स्टॉक था, वह बाजार में उतारा गया और कीमतें चढ़ती गईं। उन्होंने बताया कि सो फिलहाल टमाटर की सप्लाई पूरे भारत में है और एक हफ्ते में हिमाचल प्रदेश से आ रहा टमाटर भी खत्म होने जा रहा है। इसके बाद अब कर्नाटक के बंगलुरु की फसल आएगी लेकिन टमाटर की कमी के चलते वहीं इसकी मांग बहुत ज्यादा है, जिसके चलते उत्तर भारत के दिल्ली, पंजाब, यूपी, हरियाणा में टमाटर कम मात्रा में पहुंच रहा है। बंगलुरु के अलावा अब सोलापुर, पीपल गांव, नारायण गांव से टमाटर की फसल आएगी लेकिन ये फसल अभी एक से डेढ़ महीने तक मार्केट में पहुंचेगी।	

IPO	

एनएसडीएल ने सेबी के पास जमा किए आईपीओ के दस्तावेज

नई दिल्ली । नेशनल सिक्वोरिटीज डिपोजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) की मंजूरी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास मसौदा दस्तावेज जमा किए हैं। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ के तहत मौजूदा शेयरधारकों की तरफ से 5.72 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओफफरस) की जाएगी। ओफफरस के तहत आईडीबीआई बैंक अपने 2.22 करोड़ शेयर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) 1.80 करोड़ शेयर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 56.25 लाख शेयर, और भारतीय स्टेट बैंक एवं एचडीएफसी बैंक 40-40 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश करेंगे। इसके साथ ही यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एसयूटीआई) के निर्दिष्ट उपक्रम के प्रशासक भी 34.15 लाख शेयर बेचेंगे। एनएसडीएल सेबी के पास पंजीकृत एक बाजार ढांचागत संस्थान है जो भारत में वित्तीय और प्रतिभूति बाजारों में उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार एनएसडीएल के शेयरों को बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। निगम का एक हिस्सा पात्र कर्मचारियों के लिए भी आरक्षित होगा और कंपनी उन्हें आईपीओ मूल्य पर छूट की पेशकश कर सकती है। एनएसडीएल का राजस्व वित्त वर्ष 2022-23 में 1,099.81 करोड़ रुपए रहा और उसका मुनाफा 234.81 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष से ज्यादा है।

अनंत माहेश्वरी ने माइक्रोसॉफ्ट से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के अध्यक्ष अनंत माहेश्वरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि कंपनी ने माहेश्वरी के इस्तीफे के बाद ईरीना घोष को एमडी के पद पर प्रमोट किया है। पिछले साल घोष को पदोन्नति देकर माइक्रोसॉफ्ट इंडिया का मुख्य परिचालक अधिकारी बनाया गया था। उन्होंने शशि श्रीधरन की जगह ली है, जिन्हें एशिया में क्षेत्रीय भूमिका का निर्वाहन करने के लिए भेजा गया है। बता दें कि अनंत माहेश्वरी ने माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में करीब सात साल तक अपनी सेवाएं दी हैं। माहेश्वरी 2016 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े थे। इससे पहले वह हनीवेल्ड इंडिया के अध्यक्ष और मैक्किसे एंड कंपनी में एग्जिमेंट मैनेजर थे। 1996 में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अर्थशास्त्र में मास्टर ऑफ साइंस करने वाले माहेश्वरी ने 1998 में आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए भी किया है। उनके इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम पुष्टि कर सकते हैं कि अनंत ने कंपनी के बाहर भूमिका निभाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने का फैसला किया है। हम भारत में हमारे व्यवसाय और संस्कृति में उनके योगदानों के लिए अनंत को धन्यवाद देना चाहते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों में हर सफलता की कामना करते हैं। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में सार्वजनिक क्षेत्र के पूर्व निदेशक नवतेज बल को मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया है। वेंकट कृष्णन को सार्वजनिक क्षेत्र के व्यवसाय के कार्यकारी निदेशक के रूप में प्रमोट किया गया है।



एफटीए वार्ता के लिए ब्रिटेन का दौरा करेंगे केंद्रीय

मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली(हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए 10 से 12 जुलाई तक ब्रिटेन के दौर पर रहेंगे। इस दौरान वे व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) की प्रगति पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। यात्रा के दौरान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ब्रिटेन के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लेंगे, जिसमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार राज्य सचिव के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ये बैठकें व्यापार बाधाओं को दूर करने, निवेश को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी, नवोन्मेषण और बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे क्षेत्रों में अधिक सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एफटीए वार्ता की प्रमुख प्राथमिकताओं और उद्देश्यों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्त गोयल ईएफटीए के साथ टीईपीए की रेखांकित करता है। यह मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार संबंध बनाने के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है जो न केवल भारत और ब्रिटेन दोनों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ पहुंचाएगा बल्कि उनसे संबंधित नागरिकों की समग्र समृद्धि और कल्याण में भी योगदान देगा।

चंद्रयान-3 से चांद पर उतरने वाला चौथा देश बन जाएगा भारत : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा है कि इस सप्ताह इसरो द्वारा लांच होने वाले चंद्रयान-3 मिशन से भारत चांद की सतह पर यान उतारने वाला चौथा देश बना जाएगा। डॉ. सिंह ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अंतरिक्ष क्षमता में एक साथ बड़ी वृद्धि हुई है। अब भारत चांद तक पहुंचने में पीछे नहीं रहेगा। चंद्रयान-3 चंद्रयान 2 का अगला मिशन है जिसका लक्ष्य चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करना और वहां की जमीन पर चलना है। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3 में कुछ बदलाव किए गए हैं ताकि वह आसानी से चांद की सतह पर उतर सके।

मौसम में सुधार के बाद बालटाल व पहलगाम मार्ग से अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

जम्मू (हि.स.)। कश्मीर में मौसम में सुधार के बाद तीसरे दिन बालटाल और पहलगाम मार्ग से अमरनाथ यात्रा रविवार दोपहर बाद एक बार फिर से शुरू कर दी गई। प्रशासन ने जम्मू संभाग के बेस कैंपों से अभी भी श्रद्धालुओं को आगे जाने की अनुमति नहीं दी है। रविवार दोपहर बाद जैसे ही अमरनाथ गुफा मंदिर के आसपास आसमान साफ हुआ, अधिकारियों ने द्वार खोल दिए और रास्ते में फंसे भक्तों को बाबा बफानी के दर्शन के लिए आमंत्रित करने की अनुमति दे दी गई। पंचपरणी आधार शिविर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिन भक्तों ने पहले ही दर्शन कर लिए हैं, उन्हें बालटाल आधार शिविर में लौटने की अनुमति दे दी गई है। इस बीच घाटी में भारी बारिश के कारण फंसे 700 से अधिक अमरनाथ यात्रियों को सेना ने अर्नतनाग जिले के काजीगुंड में अपने शिविर में जगह दी है।

अयोध्या में दिसम्बर तक श्री राम जन्मभूमि मन्दिर के भू तल का पुर्ण हो जाएगा निर्माण

अयोध्या (हि.स.)। श्री राम जन्मभूमि पर बन रहे दिव्य भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। दिसम्बर तक मंदिर के भूतल का काम पूर्ण हो जाएगा। अभी भूतल पर बने गर्भ गृह का सौन्दर्यीकरण और खम्भों में देवी, देवताओं की मूर्तियों को उकेरने का कार्य कारीगर कर रहे हैं। साथ ही प्रथम तल पर भी कार्य आरम्भ हो गया है। मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने के बाद मंदिर राम भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। एक दिन में तीन लाख राम भक्त राम लला के दर्शन कर सकेंगे। उन्हें सीधे जन्म भूमि पथ से ही अंदर प्रवेश कराया जायेगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के देख रेख में एल एन्ड टी कंपनी निर्माण का कार्य तेजी से कर रही है। भूतल की फर्श पर संगमरमर लगना शुरू हो जाएगा। इसके लिए मकराना के संगमरमर की आपूर्ति तेजी से हो रही है। ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि प्रथम तल पर निर्माण शुरू हो गया है। प्रथम तल पर मंडपों की निर्धारित परिधि में ढाई फीट ऊंची पत्थर की दीवार बनाई जा चुकी है। रविवार को ट्रस्ट ने मन्दिर निर्माण कार्य को देश, प्रदेश और जिला से आवे पत्रकारों, कैमरा मैन को लाइव प्रसारण के लिये खोल दिया। सैकड़ों की संख्या में सभी ने समाचार संकलन, तस्वीरें लेकर सीधा प्रसारण किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय, निर्माण प्रभारी गोपाल जी, निर्माण कार्य में लगी कम्पनी के मैनेजर, इंजीनियर उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में भारी बारिश, 24 घंटे में नौ की मौत

इस्लामाबाद(हि.स.)। पाकिस्तान भारी बारिश से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है। मुल्क में बाढ़ की वजह से बदतर हालात हैं। पिछले 24 घंटों में और नौ लोगों की मौत हो गई। अब बाढ़ और भूस्खलन की जद में आकर मरने वालों का आंकड़ा 76 पहुंच गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यह जानकारी आज दी। प्राधिकरण ने कहा है कि इसके अलावा 133 लोग घायल हुए हैं। बदहाली से जूझ रहे मुल्क पर इस साल जून से बारिश कहर बरपा रही है। मुसलाधार बारिश से पूरे देश में 78 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मृतकों में सबसे अधिक 48 लोग पंजाब प्रांत के हैं।



इस्लामाबाद(हि.स.)। पाकिस्तान भारी बारिश से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है। मुल्क में बाढ़ की वजह से बदतर हालात हैं। पिछले 24 घंटों में और नौ लोगों की मौत हो गई। अब बाढ़ और भूस्खलन की जद में आकर मरने वालों का आंकड़ा 76 पहुंच गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यह जानकारी आज दी। प्राधिकरण ने कहा है कि इसके अलावा 133 लोग घायल हुए हैं। बदहाली से जूझ रहे मुल्क पर इस साल जून से बारिश कहर बरपा रही है। मुसलाधार बारिश से पूरे देश में 78 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मृतकों में सबसे अधिक 48 लोग पंजाब प्रांत के हैं।

कानपुर (हि.स.)। अल-नीनो की वजह से आगामी 10 से 15 दिनों में भारतीय प्रायद्वीप में हुए मानसूनी बदलाव का असर दिखाई देने लगेगा। देश के उत्तर-पूर्व मध्य एवं तटीय भागों में वर्षा में कमी आ सकती है। ऐसा चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम वैज्ञानिकों का मानना है। यह जानकारी रविवार को विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. हसन सुनील पांडे ने दी। डॉ. पांडे का अनुमान है कि अल-नीनो किसानों की खेती में समस्या उत्पन्न कर सकता है। जून माह के अंतिम सप्ताह एवं जुलाई के प्रथम सप्ताह से देशभर में जारी लगातार भारी वर्षा की रफ्तार बहुत जल्द थमने वाली है। तीन महीने का औसत इंडेक्स बता रहा है कि प्रशांत महासागर में अल-नीनो के सक्रिय हो जाने का खतरा 98 प्रतिशत तक बढ़ गया है। भारतीय प्रायद्वीप में मानसूनी वर्षा के पैटर्न पर अगले 10 से 15 दिनों में ही इसका असर दिखने लगेगा। देश के उत्तर-पूर्व, मध्य एवं तटीय भागों में वर्षा में कमी आ सकती है। यह स्थिति पूरे अगस्त और सितंबर के पहले

बाबा बफानी के भक्त अमरनाथ यात्रियों में गजब का उत्साह यात्रा रुकी, सड़क टूटी, हौसला नहीं

जम्मू(हि.स.)। दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में स्थित अमरनाथ मंदिर की यात्रा खराब मौसम की वजह से बार-बार स्थगित हो रही है। रामबन के आगे सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। बावजूद इसके तीर्थयात्रियों का उत्साह किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं पड़ रहा। रामबन में भूस्खलन और सड़क धंस जाने से तीर्थयात्रियों को जम्मू के आधार शिविर में ही रोका जा रहा है। जो तीर्थयात्री अपने वाहनों से सीधे आ रहे हैं, उन्हें उधमपुर से आगे नहीं जाने दिया जा रहा। भगवान शिव के भक्त किसी भी तरीके से आगे बढ़ना चाहते हैं। वह मान मनीवल और चिरोरी तक कर रहे हैं। तीर्थयात्रियों के मन में बस यही एक संकल्प है कि एक बार बाबा बफानी ने बुला लिया है तो हम



उनके दर्शन करने का हर संभव जतन करें। प्रशासन की मुश्किल यह है कि भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सड़क पर बार-बार पत्थर गिर रहे

हैं। लोगों की सुरक्षा अधिकारियों के लिए बड़ी चिंता है। दूसरी चिंता यह है कि जो दल श्री अमरनाथ यात्रा मार्ग पर निकला हुआ है, उनकी किसी तरह

सुरक्षित वापसी हो जाए।

बीच मझधार में उनके लिए आवश्यक संसाधन जुटाना भी प्रशासन के लिए भगीरथी चुनौती है। इस सबके चलते पुलिस

हिमाचल : भारी बारिश के चलते 10 तथा 11 जुलाई को बंद रहेंगे स्कूल व महाविद्यालय

शिमला (हि.स.)। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटे से भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अधिकांश नदियों में बाढ़ आई है और कई स्थानों पर सड़क मार्ग बंद हो गए हैं। भारी बारिश से शासन ने 10 तथा 11 जुलाई को सभी स्कूल कालेज बंद रखने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने शिमला जिले की कुमारसेन तहसील में भूस्खलन की घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

रविवार को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि भारी वर्षा तथा विषम मौसमी परिस्थितियों के दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य शिक्षा बोर्ड से संबद्ध सरकारी तथा निजी स्कूल और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय तथा सरदार पटेल विश्वविद्यालय से संबद्ध सरकारी व निजी महाविद्यालय 10 तथा 11 जुलाई



को बंद रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी), भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (आईसीएसई) तथा अन्य शिक्षा बोर्ड से संबद्ध संचालित निजी स्कूल परीक्षा स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के आधार पर इन दो दिनों में स्कूल बंद रखने का निर्णय अपने स्तर पर ले

सकते हैं। इसके साथ ही परामर्श दिया गया है कि उपरोक्त शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों की सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित की जाए। ठाकुर सुखचिन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला जिले की कुमारसेन तहसील में भूस्खलन की घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

बंगाल: संवेदनशील बूथों की जानकारी नहीं देने के बीएसएफ के आरोपों को चुनाव आयुक्त ने बताया गलत



कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में शनिवार को हुए पंचायत चुनाव मतदान के दौरान संवेदनशील बूथों और अन्य मतदान केंद्रों की विस्तृत जानकारी बीएसएफ को नहीं दिए जाने के आरोपों को राज्यों के चुनाव आयुक्त

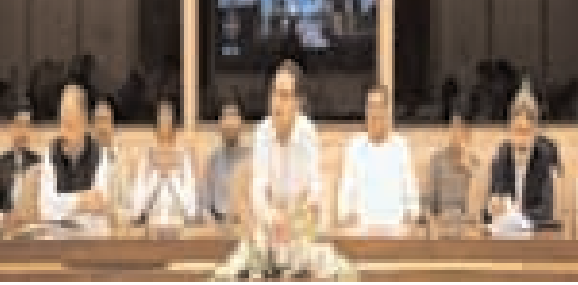
राजीव सिन्हा ने बेबुनियाद करार दिया है। बीएसएफ के डीआईजी एसएफ गुलेरिया के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा है कि बीएसएफ को संवेदनशील बूथों की जानकारी नहीं दिए जाने के जो दावे किए जा रहे

हैं वे गलत हैं। संवेदनशील बूथों की पूरी जानकारी उन्हें संबंधित डीएम और एसपी ने दी थी।

राजीव सिन्हा ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि चुनाव आयोग की ओर से उन्हें ऐसे बूथों की संख्या के बारे में बताया गया था। यह बीएसएफ के आईजी और हमारे (चुनाव आयोग) बीच कन्फुनिकेशन के रिकॉर्ड में दर्ज है। वह भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो संवेदनशील बूथों पर केंद्रीय बलों की तैनाती कैसे थी? उल्लेखनीय है कि हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में गुलेरिया ने दावा किया था कि उन्हें चुनाव आयोग की ओर से मतदान केंद्रों के लोकेशन के बारे में लगातार पत्र दिए जाने के बावजूद विस्तृत जानकारी नहीं दी गई थी।

पाकिस्तान में सैन्य अधिकारियों और नागरिकों का डेटा लीक

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के नेशनल डेटाबेस ऐंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी पर प्रमुख सैन्य अधिकारियों और नागरिकों का डेटा लीक करने का संगीन आरोप लगा है। संसद की लोक लेखा समिति ने आंतरिक मंत्रालय को डेटा के



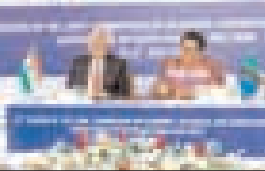
उल्लंघन की संयुक्त जांच करने का निर्देश दिया है। संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एमएनए नूर आलम खान ने कहा कि जांच टीम में पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण, संघीय जांच एजेंसी और सैन्य खुफिया एजेंसी को भी जांच में शामिल

है। अल नीनो के असर से भारत पहले भी दो-चार हो चुका है। वर्ष 2015 में भी इसके चलते मानसूनी वर्षा में 15 प्रतिशत तक की कमी देखी गई थी। गंगा के मैदानी हिस्सों में 25 प्रतिशत तक कम वर्षा हुई थी। कुछ राज्यों में खरीफ की फसलों को भारी नुकसान हुआ था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने प्रशांत महासागर की सतह के अध्ययन के बाद भारत समेत कई देशों को अल नीनो को लेकर सतर्क किया है। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह के

प्रशासन लोगों को लगातार समझा रहा है। बार-बार यही अनुरोध कर रहा है कि आप जहां हैं, जैसे हैं, वहीं रहें। सुरक्षित रहें। आगे बढ़ने की कोशिश न करें, क्योंकि अभी कुछ तय नहीं है कि यात्रा पूरी तरह से कितने दिन में बहाल होगी। उसमें एक दिन का समय भी लग सकता है और दो दिन का भी।

मगर तीर्थयात्रियों के मन में बेचैनी यह है कि जल्दी से जल्दी स्थिति सामान्य हो और वो अपने भोले बाबा के दर्शन कर सकें। इस बीच ऊपरी क्षेत्रों में लगातार तीन दिन से बरसात हो रही है। इससे चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। अमरनाथ यात्रा जिस दिन पहली बार स्थगित हुई, उसी दिन भूस्खलन की जद में चार लोग आ गए और

वह चिनाब नदी में समा गए। उनका अब तक कोई पता नहीं चल सका है। छह हजार तीर्थयात्रियों का दल शनिवार से रामबन में रुका हुआ है। वह भोलेनाथ से लगातार प्रार्थना कर रहे हैं कि यात्रा फिर प्रारंभ कराएं। आधार शिविरों में भगवान शंकर के भक्त अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन बार-बार अपील जारी कर रहा है कि यात्रा जब तक स्थगित है तब तक आप आगामी कोई योजना न बनाएं। हिमालयी क्षेत्र में 3,888 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर की 62 दिवसीय वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा पहली जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गंदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। यह यात्रा 31 अगस्त को संपन्न होनी है।

भारत-तंजानिया द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने पर सहमत	
दार अस सलाम (हि.स.)। भारत और तंजानिया अपने द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है। दोनों देश कारोबार, निवेश, कृषि, रक्षा एवं शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान कर इसका एक खाका तैयार करेंगे। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को तंजानिया की विदेश मामलों एवं पूर्व अफ्रीकी सहयोग मंत्री स्टर्गोमेना टैक्स से यहां 10वें भारत-तंजानिया संयुक्त आयोग बैठक में मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच इस संयुक्त आयोग में सार्थक बातचीत हुई। आयोग ने हमें अपने संबंधों पर नए स्तर से गौर करने का एक मौका दिया। हम उन क्षेत्रों में भी अपना सहयोग मजबूत करने पर सहमत हुए, जिन पर पहले से काम कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत को दोनों देशों के बीच जल साझेदारी पर गर्व है। जल साझेदारी में लगभग एक अरब डॉलर का आसान ऋण शामिल है, जो परियोजनाएं पूरी होने पर 80 लाख तंजानियावासियों को सुरक्षित पेयजल प्रदान करेगा।	
टोरंटो में भारतीय दूतावास के सामने खालिस्तान समर्थकों ने किया तिरंगे का अपमान	
टोरंटो (हि.स.)। कनाडा के प्रांत ऑंटारियो की राजधानी टोरंटो में खालिस्तान समर्थकों ने आठ जुलाई को भारत के खिलाफ जमकर गुस्सा निकाला। इन लोगों भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के वायरल वीडियो में खालिस्तान समर्थक भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को चपलों से रौंद रहे हैं। इन लोगों का भारतीय समुदाय ने कड़ा मुकाबला किया। वह राष्ट्रीय ध्वज को लहराते हुए वहां पहुंच गए। खालिस्तान समर्थकों ने फ्रीडम रैली के दौरान यह धिनीनी हरकत की। इस फ्रीडम रैली की घोषणा कुछ दिन पहले की गई थी। इस पर कनाडाई विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा था कि यह अस्वीकार्य है।	

गठबंधन पर फैसला लेने के लिए पार्टी नेताओं ने चिराग पासवान को किया अधिकृत



की। बिहार फस्ट-बिहारी फस्ट के संकल्प को आगे रखते हुए पार्टी के नेताओं ने गठबंधन पर फैसला लेने के लिए एक स्वर से चिराग पासवान को अधिकृत किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान चिराग पासवान की पार्टी एनडीए

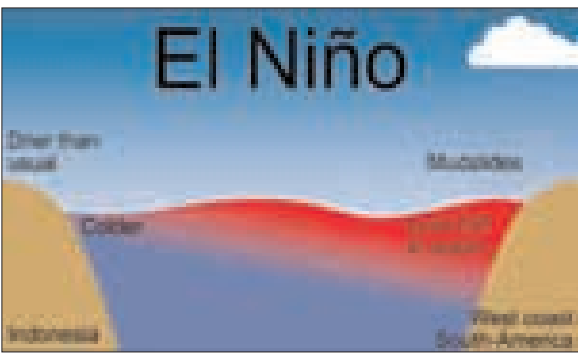
से अलग हो गई थी। एनडीए से अलग होने के बाद भी चिराग भाजपा के खिलाफ खुले तौर पर कभी भी खुलकर सामने नहीं आए और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर भाजपा का समर्थन करते रहे। अब जब लोकसभा का चुनाव नजदीक आ रहा है तो एक बार फिर चिराग की एनडीए में वापसी लगभग तय हो गई है। गठबंधन पर फैसला लेने के लिए चिराग ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक की है। बैठक से ठीक पहले केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने चिराग से मुलाकात की। कहा जा रहा है कि दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत के बाद चिराग एनडीए में वापसी का ऐलान कर सकते हैं।

देश में अल-नीनो बढ़ा सकता है किसानों के लिए परेशानी, गंगा के मैदानी क्षेत्रों में थम सकती है वर्षा

कानपुर (हि.स.)। अल-नीनो की वजह से आगामी 10 से 15 दिनों में भारतीय प्रायद्वीप में हुए मानसूनी बदलाव का असर दिखाई देने लगेगा। देश के उत्तर-पूर्व मध्य एवं तटीय भागों में वर्षा में कमी आ सकती है। ऐसा चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम वैज्ञानिकों का मानना है। यह जानकारी रविवार को विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. हसन सुनील पांडे ने दी। डॉ. पांडे का अनुमान है कि अल-नीनो किसानों की खेती में समस्या उत्पन्न कर सकता है। जून माह के अंतिम सप्ताह एवं जुलाई के प्रथम सप्ताह से देशभर में जारी लगातार भारी वर्षा की रफ्तार बहुत जल्द थमने वाली है। तीन महीने का औसत इंडेक्स बता रहा है कि प्रशांत महासागर में अल-नीनो के सक्रिय हो जाने का खतरा 98 प्रतिशत तक बढ़ गया है। भारतीय प्रायद्वीप में मानसूनी वर्षा के पैटर्न पर अगले 10 से 15 दिनों में ही इसका असर दिखने लगेगा। देश के उत्तर-पूर्व, मध्य एवं तटीय भागों में वर्षा में कमी आ सकती है। यह स्थिति पूरे अगस्त और सितंबर के पहले

पखवाड़े तक जारी रहेगी। स्पष्ट है कि इससे खरीफ की फसलें भी प्रभावित हो सकती हैं। हालाँकि, मौसम वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि पूरी तरह सुखे की स्थिति नहीं रहेगी। बीच-बीच में वर्षा होती रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों को पहले से ही 2023 को अल-नीनो प्रभावित होने का अंदेश था। भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य वर्षा का अनुमान व्यक्त किया था, लेकिन अल-नीनो के खतरे से कभी इनकार नहीं किया था। प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थितियां बनने लगी हैं। कई

पखवाड़े तक जारी रहेगी। स्पष्ट है कि इससे खरीफ की फसलें भी प्रभावित हो सकती हैं। हालाँकि, मौसम वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि पूरी तरह सुखे की स्थिति नहीं रहेगी। बीच-बीच में वर्षा होती रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों को पहले से ही 2023 को अल-नीनो प्रभावित होने का अंदेश था। भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य वर्षा का अनुमान व्यक्त किया था, लेकिन अल-नीनो के खतरे से कभी इनकार नहीं किया था। प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थितियां बनने लगी हैं। कई



मॉडल 90 प्रतिशत से भी ज्यादा की आशंका दिखा रहे हैं। 15 जुलाई तक अच्छी वर्षा के संकेत हैं,

लेकिन इसके बाद से असर दिखने लगेगा। गंगा के मैदानी क्षेत्र में प्रभाव दिखेगा। कानपुर मंडल उत्तर प्रदेश,

बिहार, झारखंड, दिल्ली, पंजाब एवं हरियाणा समेत कुछ राज्यों में वर्षा की औसत मात्रा थोड़ी कम हो जाएगी।

कृषि मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जुलाई के पहले पखवाड़े में अच्छी वर्षा के चलते पूरे महीने नदी-नाले एवं तालाबों में पानी की कमी नहीं रहेगी। तब तक बुआई हो चुकी होगी। फसल एक बार लग जाने के बाद अगर बीच-बीच में थोड़ी-थोड़ी वर्षा होती रहेगी तो असर ज्यादा नहीं पड़ेगा, लेकिन पटवारी एवं ऊपरी इलाकों की फसलों को पानी की आवश्यकता पड़ सकती

है। अल नीनो के असर से भारत पहले भी दो-चार हो चुका है। वर्ष 2015 में भी इसके चलते मानसूनी वर्षा में 15 प्रतिशत तक की कमी देखी गई थी। गंगा के मैदानी हिस्सों में 25 प्रतिशत तक कम वर्षा हुई थी। कुछ राज्यों में खरीफ की फसलों को भारी नुकसान हुआ था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने प्रशांत महासागर की सतह के अध्ययन के बाद भारत समेत कई देशों को अल नीनो को लेकर सतर्क किया है। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह के

तापमान में वृद्धि होने पर अल-नीनो की स्थिति बनती है। ऐसा तब होता है जब सतह का पानी औसत से 0.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म हो जाता है। अल-नीनो इंडेक्स बता रहा है कि औसत तापमान इससे बहुत ऊपर जा चुका है। इससे खतरा बेहद मजबूत हो गया है। आईएमडी का आकलन है कि तीन महीने का औसत नीनो इंडेक्स जून के अंतिम तक 0.47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस महीने के अंत तक इसे बढ़कर 0.81 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने की आशंका है।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रंची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटुआ मौजा, प्लॉट नं.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रंची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रंची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*), फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshbranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)

